तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,शुक्रवार 04 सितंबर 2026 ■ भाद्रपद कृष्ण पक्ष-06 ■ वर्ष -42 ■ अंक-156 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 05 सितंबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

भारत का 'नॉटी बॉय' दुश्मनों की हरकतों पर रखेगा नजर

इसरो ने आधी रात लॉन्च किया पहला इमेजिंग सैटेलाइट

नई दिल्ली, 4 सितंबर। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) ने शुक्रवार की आधी रात देश के पहले जियोसिंक्रोनस इमेजिंग सैटेलाइट ईओएस-05 को ले जाने वाले जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। रॉकेट ने सुबह 2:55 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर के दूसरे लॉन्च पैड से उड़ान भरी। इस सैटेलाइट को 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई से भारत की हर 30 मिनट में तस्वीर लेने में सक्षम बताया जा रहा है। यह मिशन आपदा प्रबंधन और कृषि निगरानी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के प्रमुख वी. नारायणन ने मिशन की सफलता का ऐलान करते हुए कहा कि जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट ने एडवांस्ड अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट-05 (जियो-इमेजिंग सैटेलाइट) को सफलतापूर्वक और सटीक तरीके से उसकी तय ऑर्बिट में स्थापित कर दिया है। मिशन से जुड़े एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने सैटेलाइट को 'आसमान में आंख' बताया है। इसे भारत का पहला जियोसिंक्रोनस इमेजिंग सैटेलाइट बताया जा रहा है।इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने जीएसएलवी-एफ17 को 'नॉटी बॉय' रॉकेट बताते हुए कहा कि इसने एडवांस्ड अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट (ईओएस-05) को बिल्कुल सटीक तरीके से उसकी निर्धारित

लोकेशन पर पहुंचा दिया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मिशन की सफलता के लिए इसरो को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ईओएस-05 का सफल प्रक्षेपण अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाता है और यह देश के लिए गौरव की बात है।जीएसएलवी-एफ17 भारत के जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल की 19वीं उड़ान है। यह करीब 2,367 किलोग्राम वजनी ईओएस-05 को लेकर गया है। इसे पृथ्वी की निगरानी के लिहाज से भारत के महत्वपूर्ण और एडवांस सैटेलाइट में गिना जा रहा है।51.7 मीटर ऊंचे जीएसएलवी-एफ17 का काउंटडाउन बुधवार रात 11:30 बजे शुरू हुआ था। करीब 27 घंटे के काउंटडाउन के बाद शुक्रवार सुबह 2:55 बजे इसका सफल प्रक्षेपण किया गया। आठ महीने के अंतराल के बाद हुआ यह मिशन इसरो के लिए महत्वपूर्ण वापसी मिशन माना जा रहा है।

पाक सेना के खून से बलूच लड़ाकों ने खेली होली

कराची, 4 सितंबर। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना पर बलूच लड़ाकों ने बड़ा हमला किया है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि 3 सितंबर को किए गए दो अलग-अलग हमलों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के 25 जवान मारे गए। संगठन ने हमलों के दौरान हथियार लूटने का भी दावा किया है। हालांकि, 25 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने के बीएलए के दावे की फिलहाल पाकिस्तानी अधिकारियों या किसी स्वतंत्र स्रोत से पुष्टि नहीं हुई है। यह दावा केवल बीएलए की ओर से किया गया है।बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के मुताबिक पहला हमला जियारत क्रॉस के पास पाकिस्तानी सेना के एक काफिले को निशाना बनाकर किया गया। संगठन ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने काफिले की दो गाड़ियों को नष्ट कर दिया। इस हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की बात कही गई है। हमलावरों ने हथियार भी अपने कब्जे में लेने का दावा किया है।दूसरा हमला सुराब के हाजीका इलाके में किया गया। बीएलए के मुताबिक, यहां उसके एसटीओएस ने रिमोट कंट्रोल से संचालित वाहन में विस्फोट किया। संगठन ने इस हमले में सात सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने का दावा किया है। बीएलए ने जियारत क्रॉस पर हुए हमले में अपने फतेह स्क्वाड के शामिल होने की बात कही है। संगठन ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी भी ली है।बलूचिस्तान में अलगाववादी संगठन बीएलए लंबे समय से पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा बलों के खिलाफ सशस्त्र अभियान चला रहा है। अगस्त 2026 में भी बीएलए ने 9 से 15 अगस्त के बीच आठ दिनों में 22 समन्वित हमले करने का दावा किया था। संगठन ने इन हमलों में 26 पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की बात कही थी।

ईरान ने अमेरिका को दी खुली चुनौती

तेहरान,4 सितंबर। अमेरिका और ईरान के बीच इधर फिर शुरू हुए हमलों का सिलसिला बढ़ गया है. दोनों के बीच चल रहे संघर्ष में यह युद्ध सोशल मीडिया पर एक दूसरे के मीम से लेकर मजाक उड़ाने तक पहुंच गया है. सिएरा लियोन में ईरानी दूतावास ने होर्मुज जलडमरूमध्य का माइनस्वीपर स्टाइल वीडियो पोस्ट कर अमेरिका को कहा, "हबीबी, ईरान आओ ना". होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री माइंस के बढ़ते खतरे के बीच ईरान ने अमेरिका को खुली चुनौती दी है. ईरान और अमेरिका के युद्ध में जो हमलों का नया दौर शुरू हुआ है, उसमें फिर ईरान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका मासूमों को निशाना बना रहा है. अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और बढ़ गया है. हाल के हफ्तों में दोनों के बीच सबसे भीषण सैन्य टकराव देखने को मिला है. दक्षिणी ईरान में एक शादी समारोह पर अमेरिकी हमले का आरोप इस तनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बन गया है. अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष अब सोशल मीडिया पर मजाक तक पहुंच गया है, जहां सियरा लियोन स्थित ईरानी दूतावास ने 'एक्स' पर एक गेम के जरिए अमेरिका का मजाक उड़ाया.

रूस-यूक्रेन में शांति पहल शुरू

पीएम मोदी की पुतिन से अपील के बाद एस जयशंकर यूक्रेन पहुंचे

मास्को,4 सितंबर। रूस और यूक्रेन के बीच साढ़े चार साल से जारी युद्ध को खत्म करने की कोशिशें अब एक बार फिर तेज होती दिख रही हैं। रूस और यूक्रेन शांति समझौते में भारत मध्यस्थता के लिए तैयार हो गया है। SCO Summit में पीएम नरेंद्र मोदी की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से युद्ध खत्म करने की अपील के तीन दिन बाद भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर यूक्रेन के दौरे पर पहुंचे हैं। एस जयशंकर ने रूस-यूक्रेन में शांति की पहल के लिए मध्यस्थता की पेशकेश की है। वहीं पीएम मोदी की अपील के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी एक्टिव हो गए हैं। पीएम मोदी की पुतिन से बातचीत के बाद यूक्रेन में शांति कोशिशों पर नई हलचल शुरू हो गई है। अमेरिकी वार्ताकार कीव और मॉस्को जाने वाले हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इसे अहम बताया है। जबकि रूस ने स्थायी शांति की बात करते हुए बातचीत के लिए तैयार हो गया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस के साथ संभावित शांति समझौते का रास्ता निकालने की कोशिश कर रहे अमेरिकी वार्ताकार आने वाले दिनों में यूक्रेन और रूस का दौरा कर सकते हैं। जेलेंस्की ने अपने एक वीडियो संबोधन में कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रतिनिधियों के यूक्रेन आने की शुरुआती तारीखें तय हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिकी प्रतिनिधियों की मॉस्को और कीव दोनों जगह बैठक होनी है। जेलेंस्की ने कहा कि आने वाले दिनों में होने वाली इन बैठकों का काफी महत्व है। बता दें कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन जंग को लेकर सीधी बातचीत की थी। किर्गिस्तान के बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ समिट के दौरान दोनों नेताओं की द्विपक्षीय मुलाकात हुई थी।इस दौरान पीएम मोदी

ने जंग के मानवीय असर का जिक्र करते हुए कहा कि हमेशा जारी रहने वाली जंग मानवता को पीछे ले जाती है। उन्होंने दुनिया से 'कभी न खत्म होने वाली जंग' से निकलकर युद्ध को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की थी। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि किसी समस्या का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं निकाला जा सकता। भारत ने कूटनीतिक और शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों में अपना समर्थन जारी रखने की बात भी कही। पीएम मोदी की अपील के बाद पुतिन ने भी सार्वजनिक तौर पर शांति को लेकर अपनी स्थिति रखी थी। पुतिन ने कहा कि रूस जंग को खत्म करने और अस्थायी युद्धविराम के बजाय स्थायी शांति बनाने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि मॉस्को उन सभी पक्षों के साथ बातचीत के लिए तैयार है, जो शांति प्रक्रिया में शामिल होना चाहते हैं। हालांकि, रूस की तरफ से यह भी स्पष्ट किया गया है कि किसी भी समाधान में उसके मूल रणनीतिक हितों को ध्यान में रखना होगा। अब जेलेंस्की की तरफ से अमेरिकी वार्ताकारों के कीव और मॉस्को दौरे की जानकारी सामने आने के बाद शांति की कोशिशों को लेकर नई हलचल शुरू हो गई है।

राजधानी में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की धूम

101 किलो दूध से होगा अभिषेक, दही हांडी फोड़ने निकलेंगी गोविंदाओं की टोलियां

रायपुर. देशभर में आज भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाने की तैयारी जा रही हैं. राजधानी रायपुर के प्रमुख मंदिरों, धार्मिक स्थलों में भजन-कीर्तन, झांकियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. वहीं चौक-चौराहों में हांडी फोड़ प्रतियोगिताएं भी होंगी. समता कॉलोनी स्थित राधाकृष्ण मंदिर में भी भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव विशेष आयोजन के साथ मनाया जाएगा. सुबह 7 बजे 101 किलो दूध से भगवान श्रीकृष्ण का अभिषेक किया जाएगा. इसके बाद भगवान का विशेष श्रृंगार भक्तों के आकर्षण का केंद्र रहेगा. सुबह 9 बजे से श्रीकृष्ण की झांकी के दर्शन शुरू होंगे. वहीं, अर्धरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा. इसके अलावा 5 सितंबर को दोपहर 2 बजे से रानी सती दादी का मंगल पाठ आयोजित किया जाएगा. श्री बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट, नयापारा में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा. कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे

से 10 बजे तक दूध अभिषेक के साथ होगी. इसके बाद सुबह 11:30 बजे श्रृंगार दर्शन होंगे. दोपहर 3 बजे से भजन प्रस्तुति का आयोजन किया जाएगा, जबकि शाम 7 बजे से भजन संध्या होगी. इसमें भजन सम्राट कैलाश सोनी एवं उनकी टीम भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से ओत-प्रोत भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर करेगी.

थप्पड़ का बदला लेने नाबालिग ने की सुपरवाइजर की हत्या

बिलासपुर,4 सितंबर। रेलवे ठेकेदार के सुपरवाइजर हत्याकांड के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पिटाई का बदला लेने के लिए 16 साल के नाबालिग ने सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया. घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया था, जिसकी मदद से हत्या में शामिल नाबालिग तक पुलिस पहुंची. जानकारी के मुताबिक, मामला तोरवा थाना क्षेत्र मामला तोरवा थाना क्षेत्र स्थित RPF कॉलोनी का है, जहां गुरुवार को पानी टंकी के पास कर्मचारी का शव मिला था. घटना से इलाके में हड़कंप मच गया. सूचना मिलते ही GRP, RPF और तोरवा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. FSL टीम और डॉग स्क्वायड ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं. घटना का CCTV फुटेज सामने आया है, जिसमें एक संदिग्ध हाफ पैंट और टी-शर्ट पहने नजर आ रहा है. बताया जा रहा है कि आरोपी ने स्टोर रूम के पास रखी लोहे की वस्तु से चौकीदार के सिर पर

हमला किया, जिसके बाद वह जमीन पर गिर गया और उसकी मौत हो गईला था सुपरवाइजर नरेश बिहार के आरा का मूल निवासी नरेश गुप्ता (35) रेलवे ठेकेदार अनिल सिंह की कंस्ट्रक्शन साइट पर सुपरवाइजर के तौर पर काम कर रहा था. गुरुवार सुबह करीब 10 बजे साइट पर काम करने वाले कर्मचारी पहुंचे और नरेश को आवाज दी और फोन भी लगाया, जवाब नहीं मिलने पर वह गेट के भीतर प्रवेश कर गए. जहां उनके होश उड़ गए. जमीन पर नरेश की खून से सनी लाश मिली.

पुलिस ने हिरासत में लेकर 16 साल के नाबालिग से पूछताछ की तो उसने हत्या के पीछे का मोटिव बता दिया. उसने कहा कि मंगलवार रात तेज बारिश हो रही थी और वह साइकिल से घर जा रहा था. इस दौरान सड़क किनारे खड़े सुपरवाइजर के ऊपर साइकिल से बारिश का पानी छिटक गया। जिसके बाद सुपरवाइजर ने रास्ते में रोककर तीन थप्पड़ जड़ दिए. इससे नाबालिग खुद को काफ अपमानित महसूस करने लगा और बदले की योजना बनाई.

भारत-बेल्जियम के बीच 10 समझौतों पर हस्ताक्षर

बेल्जियम,4 सितंबर। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर भारत के आधिकारिक दौरे पर हैं. भारत और बेल्जियम के बीच डिफेंस सेक्टर में सहयोग को लेकर कई बड़े समझौते हुए हैं. प्रधानमंत्री मोदी और बेल्जियम के पीएम डी बीवर ने द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर व्यापक चर्चा की, जिसमें रक्षा, व्यापार और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में 10 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए. इनमें हथियारों के साथ-साथ ड्रोन, समुद्री सुरक्षा, माइन्स हटाने वाली तकनीक, रडार, गोला-बारूद और दूसरे डिफेंस सिस्टम शामिल हैं. दोनों नेताओं ने कई समझौतों पर हस्ताक्षर करके रक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की. इस सहयोग की सबसे बड़ी बात यह है कि दोनों देशों की कंपनियां भारत में मिलकर तकनीक विकसित करने और उत्पादन बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं. बेल्जियम के प्रधानमंत्री के साथ 15 रक्षा कंपनियों का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है.

श्रीनगर एयरपोर्ट पर पार्किंग के दौरान खंभे से टकराया विमान

श्रीनगर,4 सितंबर। श्रीनगर एयरपोर्ट पर मुंबई से श्रीनगर जा रही इंडिगो की उड़ान पार्किंग के दौरान एक खंभे से टकरा गई। यह घटना सुबह करीब 9:02 बजे बे नंबर 06 पर हुई। विमान में सवार सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं.

पुलिस को देख भागे आरोपी की गाड़ी में मिली लाश

रायपुर,4 सितंबर। राजधानी के धरसींवा इलाके में शुक्रवार तड़के गश्त के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। रात करीब 1:15 बजे संदिग्ध अवस्था में घूम रही एक टाटा मैजिक का पीछा कर जब पुलिस ने उसकी तलाशी ली, तो अंदर का खौफनाक मंजर देखकर जवानों के होश उड़ गए। वाहन में चादर से बंधी एक व्यक्ति की लाश पड़ी थी, जिसका एक पैर बाहर लटक रहा था।

पुलिस की नाकेबंदी देखते ही आरोपी वाहन को शीतला मंदिर के पास छोड़कर अंधेरे में खेतों की ओर फरार हो गए। धरसींवा पुलिस की टीम परसतराई गांव में नहर पुलिया के पास रात्रि गश्त पर थी। इसी दौरान सामने से आती टाटा मैजिक को रुकवाने का प्रयास किया गया, तो चालक गाड़ी पीछे करने लगा। पूछताछ में उसने खुद को रावाभाठा का निवासी बताते हुए वाहन को बुकिंग पर चलाने का दावा किया। इसी बीच मोटरसाइकिल से दो और युवक पहुंचे, जिनमें से एक ने खुद को रावाभाठा का जिला अध्यक्ष बताया। इसके बाद चालक ने वाहन को परसतराई बस्ती की ओर तेज रफ्तार में भगाना शुरू कर दिया। पुलिस ने पीछा किया तो आरोपी शीतला मंदिर के पास गाड़ी छोड़कर फरार हो गए।

वाहन की तलाशी लेने पर चादर में लिपटा हुआ शव बरामद हुआ। प्रारंभिक परिस्थितियों से साफ है कि आरोपियों ने हत्या करने के बाद शव को ठिकाने लगाने के उद्देश्य से टाटा मैजिक में लादा था। मृतक की मौत हो चुकी थी, जिसके बाद शव को मरच्युरी भेज दिया गया है।

टाटा मैजिक पर दर्ज मोबाइल नंबर की जांच करने पर वह खमतराई थाना क्षेत्र के रावाभाठा निवासी संजय उर्फ मोरध्वज चौहान का निकला।

तबाही के 10वें दिन सुरंग के मलबे से दो लोग जिंदा निकले

सुनाई दे रहीं और आवाजें, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

काठमांडु,4सितंबर। नेपाल में आए भीषण बाढ़ के 10वें दिन कुदरत का करिश्मा (चमत्कार) देखने को मिला है। रसुवा में त्रिशूली-3A हाइड्रोपावर सुरंग से 10वें दिन 2 लोग जिंदा निकले हैं। मलबे से दो लोगों को जिंदा रेस्क्यू किया गया है। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक करीब 9 दिन बाद सुरंग के अंदर से 2 व्यक्तियों को जिंदा बाहर निकाल लिया गया है। त्रिशूली हाइड्रोपावर प्लांट के सुरंग से और मजदूरों की आवाजें सुनाई दे रही है। इसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। नेपाल में 26 अगस्त की विनाशकारी फ्लैश फ्लड के नौ दिन बाद त्रिशूली-3A हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग से दो लोगों को जिंदा बाहर निकाला गया। रेस्क्यू टीम ने मैकेनिकल फोरमैन संजय साह और मैकेनिकल सुपरवाइजर कबीर महार्जन को सुरक्षित निकाला। हले संजय साह को बाहर निकाला गया और उसके बाद कबीर महार्जन को भी सुरक्षित निकाल लिया गया।

दपरअसल त्रिशूली-3A हाइड्रोपावर स्टेशन में कई मजदूरों के फंसे होने की जानकारी सामने आई थी। बचाव अभियान के दौरान सुरंग के अंदर से लोगों की आवाजें सुनाई दे रही थीं। इसके फंसे लोगों के जिंदा होने की उम्मीद बनी थी। रेस्क्यू टीम ने अंदर फंसे लोगों से कहा, "घबराएं नहीं, हम आपको बचाने आए हैं। इसके जवाब में अंदर से

आवाज सुनाई दी। इसके बाद नेपाली सेना और सशस्त्र पुलिस बल ने ऑपरेशन तेज किया और सुरंग के अंदर मौजूद लोगों से संपर्क स्थापित किया। रेस्क्यू टीमों को आशंका है कि अभी और लोग सुरंग के अंदर फंसे हो सकते हैं, इसलिए तलाश जारी है।

बता दें कि 26 अगस्त को आई विनाशकारी फ्लैश फ्लड ने त्रिशूली नदी के पूरे कॉरिडोर में भारी तबाही मचाई थी। इस हादसे में 1,252 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 6 हजार से अधिक लोग लापता हैं। इनमें से 12 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स से जुड़े 900 से ज्यादा कर्मचारी लापता हैं। इनमें से सैकड़ों के सुरंगों और जमीन के नीचे बने हिस्सों में फंसे होने की आशंका है। मुश्किल हालात के बीच रेस्क्यू टीमें लगातार सुरंगों और क्षतिग्रस्त ढांचों में फंसे दूसरे लोगों की तलाश कर रही हैं। रसुवा और नुवाकोट में बाढ़ से प्रभावित हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स में लापता करीब 500 कर्मचारियों के सुरंगों में फंसे होने की आशंका जताई गई है। बाढ़ शुरू होने के वक्त कुछ कर्मचारियों ने मदद के लिए आवाज लगाई थी। सुरंगों से बाहर निकलने में कामयाब कर्मचारियों ने भी बताया था कि उनके कई साथी अंदर फंसे हुए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन लंबा खिंचने के बीच विशेषज्ञों को सुरंगों के अंदर ऑक्सीजन का स्तर कम होने की चिंता है। इससे अंदर फंसे लोगों के बचने की संभावना लगातार चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। इस बीच, सुरंग के अंदर से एक से ज्यादा लोगों की आवाज सुनाई देना रेस्क्यू टीम और उनके परिवारों के लिए बड़ी उम्मीद लेकर आया है।

पंचशील पंजाबी एसोसिएशन ने सांसद विजय बघेल का किया स्वागत

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 4 सितम्बर। पंचशील पंजाबी एसोसिएशन के संयोजक अजय भसीन के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल जी का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने पंचशील पंजाबी एसोसिएशन द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं जनसेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने संस्था के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए समाज हित में निरंतर सक्रिय रहने की अपेक्षा व्यक्त की। अजय भसीन ने अपने उद्बोधन में समाज के सभी सदस्यों से एकजुट होकर सांसद विजय बघेल को अपना समर्थन देने तथा जनहित से जुड़े प्रत्येक सकारात्मक प्रयास में उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष कैलाश मल्होत्रा, महासचिव जितेन्द्र उपल, नरेश खोसला, राम ओबेराय, दीपक भाटिया, गुलशन अरोरा, अरुण ग्रोवर, उमेश ग्रोवर, महेंद्र मिनोचा, राकेश मल्होत्रा, भूषण अदलखा, नवीन कौरा, राकेश ढोढ़ी, प्रतीक चोपड़ा, अनुज नारद, नयन गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी एवं

सुपेला पानी टंकी के सामने अतिक्रमण पर निगम की कार्रवाई

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 4 सितम्बर। नगर निगम जोन क्रमांक-1 में जोन कमिश्नर दिनेश कोसरिया के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग की टीम ने अवैध अतिक्रमण एवं सड़क किनारे अनधिकृत रूप से फर्नीचर व अन्य सामान लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। जोन-1 राजस्व विभाग की टीम ने सुपेला पानी टंकी के सामने सड़क किनारे अवैध रूप से फर्नीचर एवं अन्य सामान रखकर सार्वजनिक मार्ग को बाधित करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की। इसके साथ ही अतिक्रमणकारियों को बेदखल करने तथा अनधिकृत रूप से रखे सामान को जब्त करने की कार्रवाई भी की गई। कार्रवाई के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी शशांक शेखर सिंह, नंद कुमार सिन्हा, विनोद शुक्ला, निरंजन असाटी, नीलेश ठाकुर, हेमंत यादव एवं युवराज साहू सहित राजस्व विभाग की टीम उपस्थित रही।

शिकायत के बाद सुधारी गई मेन पाइपलाइन,शिवसेना ने जताया आभार

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 4 सितम्बर। शिवसेना दुर्ग-भिलाई संयुक्त जिला अध्यक्ष राजू गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि जोन क्रमांक-3, नंदिनी रोड स्थित वार्ड क्रमांक-33 में कुसुम पेट्रोल पंप के सामने सड़क से करीब 10 फीट नीचे पेयजल की मेन पाइपलाइन में लगभग 6 इंच का छेद हो जाने के कारण पिछले करीब 10 दिनों से लाखों लीटर पीने का पानी बर्बाद हो रहा था।

राजू ने बताया कि इस गंभीर समस्या को लेकर शिवसेना द्वारा निदान 1100 एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के बाद प्रशासन के अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए कार्रवाई की।

गुरुवार को सीमेंटीकरण की गई सड़क को खोदकर पानी की मेन पाइपलाइन को बंद किया गया और क्षतिग्रस्त पाइप को दुरुस्त किया गया। पाइपलाइन की मरम्मत होने से लंबे समय से हो रही पेयजल की बर्बादी पर रोक लगी। शिवसेना की शिकायत एवं पहल से समस्या का समाधान होने पर छावनी चौक के दुकानदारों एवं ट्रांसपोर्टरों ने शिवसेना का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आभार व्यक्त करने वालों में महेंद्र सिंह, सूर्या तिवारी, जसवंत सिंह, धनसिंह बंजारा, शब्बीर अंसारी, राजू राम, सुरेश साहू, मिंटू राय, कोटेश राव, रमेश सिंह सहित अन्य लोग शामिल रहे।

एक नजर

सड़क हादसे में रेलवे कर्मचारी की मौत

भिलाई, 4 सितंबर (तछसं.)। भिलाई सुपेला थाना क्षेत्र के कोसानाला टोल प्लाजा के पास सड़क हादसे में एक रेलवे कर्मचारी की मौत हो गई इस हादसे में बाइक सवार एक अन्य युवक भी घायल हुआ है, जिसका इलाज चल रहा है सुपेला पुलिस ने बताया कि रविशंकर भारती (56 साल) बाइक से जा रहे थे इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा गया? गंभीर चोट लगने के कारण रविशंकर भारती की मौत हो गई उनका शव पोस्टमार्टम के लिए सुपेला अस्पताल लाया गया है पुलिस के अनुसार अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि बाइक को किस वाहन ने टक्कर मारी मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ के साथ पुलिस आसपास लगे कैमरों की तस्वीरें भी देख रही है पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हादसा किस समय हुआ और टक्कर मारने वाला वाहन किस दिशा में गया सुपेला थाने पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है आसपास के दुकानदारों और सड़क से गुजरने वाले लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है कोसनाला टोल प्लाजा के आसपास का इलाका पहले भी सड़क हादसों को लेकर चर्चा में रहा है कुछ समय पहले इसी बंद टोल प्लाजा के पास भारी वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मौत का मामला सामने आया था उस समय भी यहां बंद पड़े टोल ढांचे और सड़क पर वाहनों की आवाजाही के बीच लोगों की आवाजाही को लेकर सवाल उठे थे।

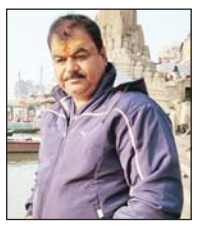

बजरंगी रवि निगम जिलाबदर

भिलाई, 4 सितंबर (तछसं.)। कलेक्टर अभिजित सिंह ने बजरंगी रवि निगम को जिला बदर कर दिया है आदेश के अनुसार वह एक वर्ष तक दुर्ग सहित 7 जिलों की सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेगा लोक शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर यह कार्रवाई की गई है दुर्ग डीआईजी विजय अग्रवाल के प्रतिवेदन के आधार पर जिला बदर प्रकरण क्रमांक 01/2026 में रवि निगम के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार सुनवाई की गई पुलिस प्रतिवेदन, आपराधिक रिकॉर्ड, अभियोजन साक्षियों के कथन, बचाव पक्ष का जवाब और अन्य दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। अभिलेखों के आधार पर लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता और पूर्व में की गई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई का अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ने की स्थिति को देखते हुए जिला बदर का आदेश जारी किया गया ।

स्व-निर्धारण विवरणी नहीं देने पर लगेगी शास्ति

भिलाई, 4 सितम्बर। नगर निगम क्षेत्र में प्रत्येक संपत्तिधारक के लिए नियमानुसार अपनी संपत्ति से संबंधित स्व-निर्धारण विवरणी प्रस्तुत करना आवश्यक है। चालू वित्तीय वर्ष में स्व-निर्धारण विवरणी पत्रक प्रस्तुत नहीं किए जाने पर संबंधित संपत्तिधारक पर 1,000 रु की शास्ति अधिरोपित किए जाने का प्रावधान है। निगम प्रशासन के अनुसार संपत्तिकर की वसूली के दौरान देय संपत्तिकर के साथ समेकित कर, शिक्षा उपकर एवं अन्य देय करों को भी शामिल किया जाता है। निर्धारित समय-सीमा के बाद कर जमा करने पर नियमानुसार अधिभार की गणना कर संबंधित संपत्तिधारक से वसूल किया जाता है।

किराए की कार बेचने से पहले युवक गिरफ्तार

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 4 सितंबर। फर्जी पहचान और कूटरचित दस्तावेजों के सहारे सेल्फ ड्राइव कंपनी से अर्टिगा कार किराए पर लेकर उसे बेचने की कोशिश करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है आरोपी ने खुद को रायपुर रेलवे में ड्राइवर बताते हुए कार संचालक को विश्वास में लिया और आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज दिखाकर वाहन हासिल कर लिया बाद में जब कार मालिक को दस्तावेजों की हकीकत पता चली तो उसने तलाश शुरू की और आरोपी को कार बेचने की कोशिश करते हुए पकड़ लिया खुर्सीपार थाने पुलिस ने शिकायत के आधार पर नागपुर निवासी शुभम अनिल रामटेके (30 साल) गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कार भी बरामद कर ली है खुर्सीपार टीआई लक्ष्मण केवट ने बताया कि सिंधी कॉलोनी दुर्ग में संचालित मां भवानी सेल्फ ड्राइव एंड ट्रैवल्स के संचालक हिमांशु वैष्णव ने शिकायत में बताया कि 31 अगस्त को एक व्यक्ति उसके पास पहुंचा उसने अपना नाम राजकुमार सुरेश विश्वकर्मा बताया और खुद को रायपुर रेलवे में ड्राइवर बताया। उसने दो दिन के लिए सेल्फ ड्राइव वाहन की मांग की और इसके एवज में प्रतिदिन 2 हजार रुपये किराया देने की बात कही व्यक्ति ने अपनी पहचान के तौर पर आधार कार्ड, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस प्रस्तुत किए दस्तावेज देखकर संचालक ने उस पर भरोसा किया इस के बाद दोनों के बीच किरायानामा तैयार हुआ और मारुति सुजुकी अर्टिगा क्रमांक सीजी 10 बीई 6250 आरोपी को दो दिन के लिए किराये पर दे दी गई शिकायत आवेदन के अवलोकन केबाद खुर्सीपार थाना पुलिस ने आरोपी शुभम अनिल रामटेके के खिलाफ प्रथम दृष्टया बीएनएस की धारा 318(4), 319(2), 336(3), 337, 338 और 340(2) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है पुलिस जांच के अनुसार आरोपी ने किराये पर हासिल की गई कार को अपना वाहन दिखाने के लिए फर्जी पहचान संबंधी दस्तावेजों का सहारा लिया इसके बाद कार को किसी दूसरे व्यक्ति के सामने अपनी बताकर उसका सौदा करने की कोशिश की गई हालांकि, शिकायत के बाद पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आरोपी का प्लान कामयाब नहीं हो सका गिरफ्तार आरोपी की पहचान शुभम अनिल रामटेके (30 साल) निवासी निर्मल कॉलोनी, जरीपटका, नारा रोड, थाना जरीपटका, जिला नागपुर, महाराष्ट्र के रूप में हुई है। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है दस्तावेजों की जांच हुई तो उड़ गए होश वाहन देने के बाद संचालक ने आरोपी और उसके जुटाई इसी दौरान उसे संदेह हुआ कि आरोपी ने जो आधार कार्ड, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस दिए हैं, वे संदिग्ध हैं जांच में दस्तावेज फर्जी होने की जानकारी सामने आने के बाद संचालक को आशंका हुई कि आरोपी ने पहले से ही धोखाधड़ी द्वारा दिए गए दस्तावेजों के संबंध में जानकारी की योजना बना रखी थी उसने अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर फर्जी दस्तावेजों के जरिए वाहन हासिल किया था कार बेचने की कोशिश ने खोला राज संचालक को जानकारी मिली कि उसकी किराये पर दी गई अर्टिगा को बेचने की कोशिश की जा रही है इस के बाद उसने अपने परिचित संतोष साव, जो नंदिनी रोड छावनी में संतोष मोटर्स के नाम से पुराने दोपहिया और चारपहिया वाहनों की खरीदी-बिक्री का काम करते हैं, से संपर्क किया दोनों ने वाहन की तलाश शुरू की इसी दौरान आरोपी का पीछा करते हुए उसे छावनी ओवरब्रिज के नीचे निखिल होटल के पास पकड़ लिया गया पकड़े जाने के बाद पूछताछ में आरोपी की वास्तविक पहचान सामने आई जिस व्यक्ति ने खुद को राजकुमार सुरेश विश्वकर्मा बताया था, वह वास्तव में शुभम अनिल रामटेके, निवासी निर्मल कॉलोनी, जरीपटका नागपुर महाराष्ट्र निकला शिकायत के मुताबिक आरोपी के पास अर्टिगा वाहन से संबंधित फर्जी आरसी भी थी ।

मेगा मेडिकल कैंप में 636 मरीजों ने प्राप्त की विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 4 सितम्बर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस अस्पताल में मेगा मेडिकल कैंप का सफल आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताओं के अंतर्गत कुल 636 मरीजों का परामर्श एवं उपचार किया गया। मेगा मेडिकल कैंप के दौरान मरीजों को पेन मैनेजमेंट, शिशु रोग, ईएनटी, मेडिसिन, अस्थि रोग, नेत्र रोग तथा प्रसूति एवं स्त्री रोग सहित विभिन्न विशेषज्ञताओं में परामर्श, चिकित्सकीय परीक्षण, उपचार एवं आवश्यक स्वास्थ्य मार्गदर्शन प्रदान किया गया। एक ही छत के नीचे विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता ने मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श, व्यापक चिकित्सकीय मूल्यांकन एवं रोगी-केंद्रित देखभाल का लाभ प्रदान किया, जिससे यह शिविर हितग्राहियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। शिविर में पेन मैनेजमेंट विशेषज्ञ डॉ. कुमुदनी तिग्गा, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. कौशिक किशोर, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. अश्विन अशोक जैसवाल, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. पूनम प्रसाद, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकुर कुंडू, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुलभ साहू तथा स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या तेजस्विनी ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कीं। विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ फिजियोथेरेपी से पी.आर. जयबास्कर, नर्सिंग से श्रीमती लता मिश्रा तथा रेडियोलॉजी से कल्लोल मैती ने भी चिकित्सा सेवाओं के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह शिविर सीएमओ एवं एचओएम डॉ. उदय कुमार, सीएमओ डॉ. सम्बिता पंडा, सीजीएम, राजहरा माइंस आनंद कुमार सिंह तथा एचआर विभाग के मार्गदर्शन, सहयोग एवं समन्वय में आयोजित किया गया।

गणेश पंडालों में सीसीटीवी और शौचालय अनिवार्य बजाए जा सकेंगे केवल धार्मिक गीत एवं भजन

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 4 सितम्बर। गणेशोत्सव पर्व को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार शहर के प्रमुख मार्गों पर राजनीतिक, सामाजिक, व्यावसायिक एवं कर्मचारी संगठनों द्वारा धरना-प्रदर्शन, जुलूस, सभा एवं रैली आयोजित करने तथा टेंट, माइक एवं फर्नीचर आदि लगाने पर प्रतिबंध रहेगा। गणेश पंडाल लगाने एवं आयोजन के लिए नगरीय निकाय द्वारा निर्धारित शुल्क जमा करना तथा विधिवत अनुमति लेना अनिवार्य होगा। पंडाल अथवा आयोजन स्थल पर गंदगी पाए जाने की स्थिति में संबंधित आयोजन समिति को नगर निगम भिलाई में निर्धारित स्वच्छता सुरक्षा निधि जमा करनी होगी। प्रत्येक पंडाल में महिला एवं पुरुषों के लिए पर्याप्त संख्या में अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था अनिवार्य की गई है। वहीं प्रत्येक आयोजन स्थल पर, चाहे उसका क्षेत्रफल 5 हजार वर्गफीट से कम हो अथवा अधिक, सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य रहेगा। अस्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए विद्युत विभाग से विधिवत अनुमति लेना भी जरूरी होगा। श्रद्धालुओं एवं नागरिकों के वाहनों के लिए पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था करनी होगी। पंडालों में केवल धार्मिक गीत एवं भजन बजाए जा सकेंगे। आपत्तिजनक एवं अश्लील गाने बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। पर्यावरण संरक्षण के मद्देनजर गणेश प्रतिमा मिट्टी से निर्मित होना अनिवार्य किया गया है। पंडाल के आसपास मादक पदार्थ अथवा अन्य नशीले द्रव्यों का सेवन करने वाले व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए पंडाल में महिला एवं पुरुषों के प्रवेश की व्यवस्था पृथक-पृथक रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रतिमाओं का विसर्जन नगर निगम द्वारा बनाए गए अस्थायी विसर्जन कुंड में ही किया जाएगा। पूजा सामग्री को विसर्जन कुंड में डालना प्रतिबंधित रहेगा। आयोजन समाप्त होने के बाद पंडाल परिसर एवं आसपास उत्पन्न ठोस अपशिष्ट का 24 घंटे के भीतर निपटान करना अनिवार्य होगा। इसके अलावा गणेशोत्सव के दौरान बनाई जाने वाली झांकी की ऊंचाई 15 फीट से अधिक नहीं होगी।

सरयूपारीय ब्राह्मण समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह 2 अक्टूबर को

भिलाई, 4 सितम्बर। सरयूपारीय ब्राह्मण समाज द्वारा समाज के प्रतिभाशाली बच्चों के सम्मान के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समाज के कार्यालय सचिव दिनेश मिश्रा ने उक्ताशय की जानकारी देते हुए बताया कि समारोह 2 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे समाज भवन, स्मृति नगर के सामने स्थित ब्रह्म प्रकाश भवन में आयोजित होगा। समाज के पदाधिकारियों ने पालकों से अनुरोध किया है कि वे अपने प्रतिभाशाली बच्चों की 80 प्रतिशत से अधिक अंक वाली अंकसूची की छायाप्रति एवं एक पासपोर्ट साइज फोटो जमा करें। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता में प्रथम या द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों के प्रमाण पत्र की छायाप्रति एवं फोटो भी जमा किए जा सकते हैं। उपरोक्त दस्तावेज 20 सितंबर तक महासचिव राम लखन मिश्रा, अन्य पदाधिकारियों विष्णु पाठक, नागेंद्र पाण्डेय, चंद्र शेखर पाण्डेय, मनीष पाण्डेय, महेश तिवारी, उमेश शुक्ला, संजय मिश्र, नर्मदा प्रसाद मिश्रा, दिनेश मिश्रा एवं श्रीमती प्रीती दुबे के पास जमा किए जा सकते हैं। कार्यालय सचिव दिनेश मिश्रा ने पालकों से निर्धारित तिथि तक अपने बच्चों की उपलब्धियों से संबंधित दस्तावेज जमा करने का आग्रह किया है।

बिजनेस सिमुलेशन प्रतियोगिता की विजेता टीमें पुरस्कृत

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 4 सितम्बर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के एचआर-एल एंड डी सेंटर में दो दिवसीय रण नीति 2026 - डायरेक्टर (पर्सनल) कप बिजनेस सिमुलेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 32 टीमों ने भाग लिया। इनमें बीएसपी की टीमों के साथ सेलम स्टील प्लांट की एक तथा सेल-रिफ्रैक्ट्री यूनिट की दो टीमों ने भी हिस्सा लिया, जिससे प्रतियोगिता में विविधता एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा मिला। उद्घाटन समारोह में कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और अपने प्रेरणादायक संबोधन से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक सौरभ वार्ष्णेय, उप महाप्रबंधक वाई. एस. जोहरी तथा फैकल्टी सदस्य सी. एस. रस्तोगी एवं प्रदीप कुमार भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समन्वय महाप्रबंधक सौरभ वार्ष्णेय के मार्गदर्शन में किया गया, जबकि बिजनेस सिमुलेशन के लिए फैकल्टी के रूप में सी. एस. रस्तोगी एवं प्रदीप कुमार ने अपनी भूमिका निभाई। विजेता टीमों में सहायक महाप्रबंधक निकुंज कुमार, सहायक महाप्रबंधक सचिन प्रधान तथा वरिष्ठ प्रबंधक विजय कुमार देशमुख एवं प्रबंधक सुश्री तनिमा वासन, प्रबंधक, विनय कुमार पवार तथा उप प्रबंधक सुश्री गीतांजलि साहू शामिल रहे। प्रथम उपविजेता टीमों में वरिष्ठ प्रबंधक अरुण कुमार भगत, प्रबंधक नीरज श्रीकिशन तोसनीवाल तथा वरिष्ठ प्रबंधक राजेश शर्मा एवं सहायक महाप्रबंधक आशीष अग्रवाल, सहायक महाप्रबंधक, विकास प्रताप पिपरानी तथा सहायक महाप्रबंधक रवि कुमार शामिल रहे। समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक पवन कुमार उपस्थित रहे तथा उन्होंने विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए।

स्वामित्व योजना के तहत दुर्ग जिले में ग्रामीण आबादी भूमि का सर्वेक्षण और अधिकार अभिलेख वितरण का कार्य प्रगति पर

दुर्ग, 4 सितंबर । जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि के पारदर्शी भू-मापन और ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का कानूनी हक दिलाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में दुर्ग जिले में स्वामित्व योजना का क्रियान्वयन व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई इस महत्वाकांक्षी योजना को राज्य शासन की मान्यता के तहत छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 67 के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण आबादी भूमि का जीआईएस प्रणाली और ड्रोन तकनीक के माध्यम से सटीक सर्वेक्षण कर अधिकार अभिलेख तैयार करना है, जिससे ग्रामीण संपत्तिधारकों को भू-स्वामित्व प्रमाण-पत्र प्रदान किया जा सके। योजना के सफल संचालन और अंतिम प्रकाशन के अंतर्गत दुर्ग जिले की विभिन्न तहसीलों के ग्रामों को शामिल किया गया है। इस क्रम में जिला दुर्ग के अंतर्गत विभिन्न तहसीलों के ग्राम शामिल हैं, जिसमें तहसील दुर्ग के अंतर्गत ग्राम दमोदा, चिरपोटी, कुठेलाभाठा, कातरो, खाड़ा, नगपुरा, बेलोदी, मालूद, भटगांव, खपरी, खेदामारा, बासीन, झेंझरी, भरदा, कुथरेल, कोनारी, अछोटी, अण्डा एवं गनियारी शामिल हैं। वहीं तहसील बोरी के अंतर्गत ग्राम गाड़ाडीह, चिखला, चीचा, टेकापार, टेमरी, डोडकी, डोमा, तुमाखुर्द, देउरकोना, दनिया, पथरिया, पुरदा, परसदा, परसदाखुर्द, पोटिया, फुण्डा, बिरेझर, बोरीबुजर्ग, मड़ियापार, सुखरीकला, सेवती, सिलतरा, हसदा, हिरीं, करेली, लिटिया, नवागांव, रौता, सेमरिया, जोगीगुफा, खर्रा एवं अरसी को शामिल किया गया है।

नई आयुक्त लीना कोसम ने संभाला नगर निगम का कार्यभार,आयुक्त मोहेंद्र साहू ने सौंपा प्रभार

दुर्ग, 4 सितंबर। नगर पालिक निगम दुर्ग में गुरुवार को वर्ष 2020 बैच की आईएएस अधिकारी लीना कोसम ने नगर निगम आयुक्त के पद पर पदभार ग्रहण कर कार्यभार संभाल लिया। दोपहर 1,30 बजे निवर्तमान आयुक्त मोहेंद्र साहू ने उन्हें विधिवत प्रभार सौंपा। इस अवसर पर निगम के विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।पदभार ग्रहण करने के बाद आयुक्त लीना कोसम ने नगर निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बारी-बारी परिचय प्राप्त किया। उन्होंने अधिकारियों से उनके विभागों में संचालित कार्यों, योजनाओं एवं वर्तमान प्रगति की जानकारी ली तथा कार्यों को समयबद्ध एवं बेहतर तरीके से पूर्ण करने पर जोर दिया।

आयुक्त लीना कोसम ने कहा कि शहरवासियों तक मूलभूत सुविधाएं बेहतर तरीके से पहुंचाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम से जुड़े विभिन्न कार्यों को समझने के साथ ही शहर की आवश्यकताओं और नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा

उन्होंने कर्मचारियों के वेतन भुगतान एवं ट्रांसफर, ग्रेच्युटी तथा पेंशन प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने शहर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों, स्वास्थ्य विभाग सहित निगम के अन्य महत्वपूर्ण कार्यों की भी जानकारी अधिकारियों से ली।आयुक्त ने अधिकारियों से विभागवार कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए लंबित कार्यों की स्थिति और उन्हें पूर्ण करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के संबंध में भी चर्चा की।उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक में संक्षिप्त जानकारी ली एवं सोमवार को विभागीय समीक्षा बैठक लेने की बात कही। नगर निगम आयुक्त का पदभार ग्रहण करने के बाद लीना कोसम ने महापौर अलका बाघमार से सौजन्य मुलाकात की। वह महापौर कक्ष पहुंचीं, जहां महापौर ने उनका स्वागत किया। इस दौरान एमआईसी सदस्य, पार्षद एवं एल्डरमेन मौजूद रहे। नए आयुक्त के स्वागत के अवसर पर निवर्तमान आयुक्त मोहेंद्र साहू, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता गिरीश दिवान, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, पंकज साहू, आर.के. बोरकर, दुर्गेश गुप्ता, संजय मिश्रा, अनिल सिंह सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

गंगरेल के तीन गेटों से छोड़ा जा रहा 4670 क्यूसेक पानी,महानदी किनारे बसे गांवों में अलर्ट

धमतरी, 4 सितंबर । जिले में लगातार हो रही वर्षा और जलाशयों में पानी की आवक को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा जलस्तर एवं नदी-नालों की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है। आज 03 सितंबर की सुबह 8 बजे प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के प्रमुख जलाशयों में जलभराव की स्थिति काफी अधिक है। गंगरेल जलाशय 97.40 प्रतिशत, मुरूमसिल्ली जलाशय 98.61 प्रतिशत, दुधावा जलाशय 86.86 प्रतिशत तथा सोंढूर जलाशय 69.25 प्रतिशत भर चुका है।जलाशयों में पानी की आवक को देखते हुए गंगरेल जलाशय से तीन गेटों के माध्यम से कुल 4670 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसमें से 1410 क्यूसेक पानी रुद्री बैराज के माध्यम से महानदी मुख्य नहर में तथा 3360 क्यूसेक पानी महानदी नदी में प्रवाहित किया जा रहा है। जलाशयों में पानी की आवक तथा आगामी वर्षा की संभावना को देखते हुए नदी के जलस्तर में और वृद्धि होने की संभावना है।महानदी में पानी छोड़े जाने के कारण नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी तथा बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित होने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने महानदी के किनारे बसे सभी गांवों में अलर्ट जारी किया है। प्रशासन द्वारा ग्रामीणों से नदी, नालों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों के समीप नहीं जाने और अनावश्यक रूप से नदी पार करने का प्रयास नहीं करने की अपील की गई है। निचले एवं संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष सतर्कता बरतने तथा आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन द्वारा चिन्हांकित सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित अधिकारियों, मैदानी अमले एवं स्थानीय प्रशासन को स्थिति पर लगातार नजर रखने और आवश्यकतानुसार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं।कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि जलाशयों में पानी की अच्छी आवक को देखते हुए प्रशासन पूरी स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि महानदी के किनारे बसे गांवों के लोग विशेष सावधानी बरतें और नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नदी एवं जलभराव वाले क्षेत्रों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नदी एवं जलाशयों के जलस्तर की नियमित निगरानी की जाए तथा संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार तत्काल सूचना पहुंचाई जाए।

मौसम में बदलाव से धान की फसल में बढ़ा रोगों का खतरा, किसान समय पर करें प्रबंधन

रायगढ़, 4 सितम्बर। मौसम अनुकूल नहीं रहने के कारण इन दिनों धान की फसल में विभिन्न प्रकार के रोगों का प्रकोप देखने को मिल सकता है। रोगों की समय पर पहचान और उचित प्रबंधन नहीं किए जाने पर उत्पादन प्रभावित होने की आशंका रहती है। कृषि विज्ञान केन्द्र रायगढ़ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ.बी.एस. राजपूत तथा विषय वस्तु विशेषज्ञ (पौध रोग) श्रीमती दीपमाला लकड़ा ने किसानों को धान की फसल में रोगों की पहचान कर समय पर आवश्यक प्रबंधन अपनाने की सलाह दी है।कृषि विशेषज्ञों ने किसानों से अपील की है कि धान की फसल में किसी भी रोग के लक्षण दिखाई देने पर स्वयं से दवा का प्रयोग करने के बजाय कृषि विभाग अथवा कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञों से सलाह लेकर ही अनुशंसित मात्रा में उपचार करें। इससे अनावश्यक दवा खर्च से बचने के साथ फसल को होने वाले नुकसान को भी कम किया जा सकेगा।

झुलसा रोग की पहचान और बचाव-धान में झुलसा या ब्लास्ट रोग प्रमुख रूप से फफूंद के कारण होता है। इसके प्रकोप में पत्तियों पर छोटे-छोटे धब्बे बनते हैं, जो धीरे-धीरे बढ़कर नाव के आकार के हो जाते हैं। धब्बों का मध्य भाग हल्का भूरा तथा किनारे गहरे कत्थई रंग के दिखाई देते हैं। बाद में इसका असर पर्णच्छद, गांठ और बालियों पर भी हो सकता है। रोग से बचाव के लिए किसानों को स्वस्थ एवं रोगरोधी किस्मों का चयन करने, समय पर बुवाई करने तथा संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी गई है। नाइट्रोजन उर्वरक की अधिक मात्रा एक साथ देने के बजाय आवश्यकता के अनुसार विभाजित मात्रा में देना उचित है।

एक नजर

एनएक्सटी क्वांटम ओएस 1.1 में बड़ा बदलाव, यूजर्स को मिलेगा डेटा और प्राइवेसी पर ज्यादा कंट्रोल

रायपुर, 4 सितंबर। एआई+ स्मार्टफोन ने एनएक्सटी क्वांटम ओएस 1.1 का नया वर्जन पेश किया है। अपडेट में यूजर्स की प्राइवेसी और डेटा सिक्योरिटी को मजबूत करने के साथ ऐप्स की परमिशन और डेटा एक्सेस पर ज्यादा कंट्रोल दिया गया है। कंपनी के मुताबिक ऐप्स से जुड़ा डेटा ट्रैफिक भारत में मौजूद सर्वर्स के जरिए प्रोसेस होगा और कोर डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर व सोर्स कोड भारत में ही सुरक्षित रहेगा। नए वर्जन में एनएक्सटी प्राइवेसी डैशबोर्ड भी जोड़ा गया है, जहां यूजर्स एक ही जगह सभी ऐप्स की परमिशन्स देख और जरूरत के अनुसार उन्हें बदल या बंद कर सकेंगे। बैकग्राउंड में ऐप्स द्वारा किए जा रहे एक्सेस और जरूरत से ज्यादा परमिशन के इस्तेमाल पर प्राइवेसी अलर्ट भी मिलेगा। एनएक्सटीक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीस और एआई+ स्मार्टफोन के सीईओ माधव शेठ ने कहा कि तकनीक में लोगों का भरोसा सबसे महत्वपूर्ण है। कंपनी के अनुसार यह अपडेट यूजर्स की प्राइवेसी, सिक्योरिटी और कंट्रोल को मजबूत करने के उसके विजन का हिस्सा है।

आपदा पीड़ित परिवार को 4 लाख की आर्थिक सहायता

बलौदाबाजार,4 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्राकृतिक आपदा से मृत परिवार के निकट परिजन के लिए 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने राजस्व पुस्तक परिपत्र की धारा 6-4 के तहत ये स्वीकृतियां प्रदान की हैं। जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित परिजन धनसाय पिता गोटीलाल, निवासी ग्राम चरौदा क तहसील कसडोल की नहर के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। कलेक्टर ने संबंधित तहसीलदार को आरटीजीएस के जरिये पीड़ित के खाते में राशि जमा करने के निर्देश दिये हैं।

डीईओ ने समस्त प्राचार्य एवं संकुल समन्वयकों ली समीक्षा बैठक

बलौदाबाजार, 4 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला शिक्षा अधिकारी के.एस.मेरावी एवं जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा नरेन्द्र वर्मा ने विकासखण्ड बलौदाबाजार के विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक समग्र शिक्षा, समस्त शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के प्राचार्यो एवं संकुल शैक्षिक समन्वयकों का पण्डित लक्ष्मी प्रसाद तिवारी शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी विद्यालय बलौदाबाजार में शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा अंतर्गत संचालित विभिन्न एजेन्डाओं पर समीक्षा बैठक लिया गया। प्रमुख रूप से प्रशस्त एप, स्वच्छ एव हरित विद्यालय, एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत पेड़ लगाने की समीक्षा, नशा मुक्त विद्यालय की जानकारी, एमबीयू वैलिडेशन जानकारी, अपार आई डी की जानकारी, बालवाड़ी की जानकारी, आईसीटी योजना की जानकारी, यूडाइस की जानकारी, विद्यार्थियों की जीपी में एन्ट्री की जानकारी, शिक्षकों की प्रोफाईल एन्ट्री, स्कूल प्रोफाईल एन्ट्री, ड्राप बाक्स मेंबच्चों को इम्पोर्ट करना संबंधी सभी प्राचार्यो एवं संकुल शैक्षिक समन्वयकों से जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही जेम पंजीयन की जानकारी पर चर्चा, एसएनए स्पर्श पर चर्चा, आईसीटी योजना, रंगाई पोताई, निरीक्षण पर चर्चा, वीएसके, नवीन वर्जन पर चर्चा, लईका चिन्हारी एप सीडब्ल्यूएस एन बच्चों के सर्वे पर चर्चा, एफएलएन कीट का नियमित उपयोग पर चर्चा, एफएलएन को सभी स्कूलों में 100 प्रतिशत प्राप्ति के लक्ष्य परचर्चा, एफएलएन पुस्तक स्कैनिंग 100 प्रतिशत पूर्ण करना (अभ्यास पुस्तक), रचनात्मक लेखन पर चर्चा, पुस्तक स्कैनिंग 100 प्रतिशत पूर्ण करना, एफएलएन के अंतर्गत मुस्कान पुस्तकालय को सक्रिय करना, प्रतिमाह चर्चा पत्र को डाउनलोड करके पढना, एफएलएन के अंतर्गत शनिवार बैग लेशडे मनाये जाने संबंधी चर्चा की गयी।सभी संकुल प्राचार्यो एवं संकुल शैक्षिक समन्वयकों को शालाओं का नियमित निरीक्षण कर राज्य एवं जिले द्वारा चाही गयी वांछित जानकारी समय समय पर उपलब्ध कराये जाने निर्देशित किया गया। समीक्षा बैठक में सहायक कार्यक्रम समन्वयक खिलावन वर्मा, प्रोग्रामर नवीन वर्मा, शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के सभी प्राचार्य एवं सभी संकुल शैक्षिक समन्वयक उपस्थित रहें।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9 वीं प्रवेश की तृतीय काउंसलिंग 9 सितंबर तक

बलौदाबाजार, 4 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के तहत प्रयास आवासीय विद्यालयों में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9 वीं में प्रवेश की तृतीय काउंसलिंग 3 से 9 सितंबर तक सुबह 11 से शाम 4 बजे तक संबंधित विद्यालयों में होगी। इसी तरह बीजापुर जिले के प्रयास बालक एवं बालिका आवासीय विद्यालयों के लिए काउंसलिंग प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय, गुढ़ियारी, जनता कॉलोनी, एफसीआई गोदाम के पास, रायपुर में होगी। सीटें रिक्त रहने पर प्रतीक्षा सूची के विद्यार्थियों की काउंसलिंग 10 से 15 सितंबर तक की जाएगी। शासकीय अवकाश के कारण 4, 6 और 12 से 15 सितंबर तक काउंसलिंग नहीं होगी। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक विद्यार्थियों को कक्षा 8वीं में 60 प्रतिशत अंकों की अंकसूची, जाति, निवास, विशेष पिछड़ी जनजाति, नक्सल पीड़ित प्रमाण-पत्र तथा लागू होने पर अन्य आवश्यक दस्तावेज लाने होंगे। चयनित विद्यार्थियों को दो दिन के भीतर जिला शिक्षा अधिकारी से प्रतिहस्ताक्षरित स्थानांतरण प्रमाण-पत्र और जिला चिकित्सा अधिकारी का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र जमा करना होगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना छत्तीसगढ़ सरकार की एक महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजना है। इसके अंतर्गत नक्सल प्रभावित और अनुसूचित क्षेत्रों के बच्चों को निःशुल्क आवासीय शिक्षा, भोजन और आवास की सुविधा दी जाती है। इस योजना के तहत प्रदेश में प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित किए जाते हैं।

कुरुद अस्पताल की बदहाल व्यवस्था पर लोगों ने जताया आक्रोश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कुरुद 4 सितंबर। नगर के सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल है। सरकारी दावों के विपरीत अस्पताल खुद 'इलाज' की बाट जोह रहा है। आम जनता तो दूर, अब जनप्रतिनिधियों को भी यहां घोर अव्यवस्था और लापरवाही का सामना करना पड़ रहा है। ताजा मामला भाजपा की पूर्व पार्षद राम्हिन बाई ध्रुव से जुड़ा है, जिन्हें इमरजेंसी इलाज के बाद सामान्य वार्ड में घंटों तक एक बिस्तर तक नसीब नहीं हो सका।

घंटे भर इंतजार के बाद लौटना पड़ा घर

जानकारी के अनुसार, 1 सितंबर की शाम रक्तचाप (बीपी) अचानक बढ़ने से पूर्व पार्षद राम्हिन बाई ध्रुव चक्कर खाकर गिर पड़ीं। परिजन वंदे मातरम की एंबुलेंस में उन्हें सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉ. शीला रानी देवांगन की देखरेख में इमरजेंसी वार्ड में प्राथमिक उपचार शुरू हुआ। रात करीब 9:30 बजे डॉक्टर ने उन्हें सामान्य वार्ड में शिफ्ट करने की सलाह दी। परिजनों का आरोप है कि सामान्य वार्ड ले जाने के बाद भी ड्यूटी पर तैनात स्टाफ ने कोई सुध नहीं ली और लगभग एक घंटे तक उन्हें बेड तक मुहैया नहीं कराया गया। कर्मचारियों के उपेक्षित रवैये से तंग आकर परिजन मरीज को घर वापस ले जाने पर मजबूर हुए और बाद में बेहतर इलाज के लिए उन्हें दूसरे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

लगातार उठ रहे हैं सवाल, पिछले माह भी हुआ था हंगामा

कुरुद सिविल अस्पताल की लचर व्यवस्था का यह कोई पहला मामला नहीं है। पिछले महीने भी रात्रि के समय मरीज भर्ती करने को लेकर यहां जमकर बवाल हुआ था। स्थानीय निवासी मनोज अग्रवाल, पप्पू राजपूत, चंदू ध्रुव, बसंत ध्रुव, हेमंत ध्रुव और कमलेश ध्रुव सहित अन्य नागरिकों ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कड़ा रोष जताया है।

55 बेड का अस्पताल, कई इलाकों का दारोमदार

वर्तमान में 55 बिस्तरों वाले इस अस्पताल पर केवल कुरुद ही नहीं, बल्कि अभनपुर, नवापारा, मगरलोड और बुडेनी जैसे दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले मरीजों का भी भारी दबाव रहता है। इसके बावजूद डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। नगरवासियों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा और लापरवाह स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफतत्काल जांच व कार्रवाई की मांग की है।

> अस्पताल में अव्यवस्था जैसी बात नहीं है। स्टाफ की लापरवाही और मरीज की परेशानी की जानकारी मीडिया के माध्यम से मिली है। मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कड़ी कार्रवाई होगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी मरीज को उपचार के लिए भटकना न पड़े और सभी को समय पर इलाज मिले।
> — डॉ. हेमराज देवांगन, बीएमओ, कुरुद

संतान की सुख-समृद्धि के लिए महिलाओं ने रखा कमरछठ व्रत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा 4 सितंबर। छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है परंपरा और संस्कारों से अभिभूत यह भारत देश का एक ऐसा प्रदेश जहां प्रदेश को भी मां अर्थात महतारी (छत्तीसगढ़ महतारी) की दर्जा दी गई है। जहां महिलाओं की सम्मान होती है और महिलाएं संस्कारों और त्याग से परिपूर्ण होती है । छत्तीसगढ़ के प्रथम त्यौहार हरियाली जो की धरती मां को समर्पित है तो दूसरा त्यौहार रक्षाबंधन भाई और बहनों के प्रेम का प्रतीक है तो तीसरा त्यौहार कमर छठ जिसे महिलाएं अपने संतानों के प्रति समर्पण के रूप में मनाती है । कमर छठ छत्तीसगढ़ के मया और मां के ममता से भरे त्यौहार है । जिसमें अपने-अपने बच्चों की सुखी जीवन अच्छा स्वास्थ्य है के लिए मां उपवास रखती है । यह सिर्फ त्यौहार ही नहीं मां के ममता आस्था श्रद्धा और अपने संतान के प्रति निस्वार्थ प्रेम (मया) का त्यौहार है।

कमर छठ ऐसा त्यौहार है जहां विवाहित महिलाएं निर्जला उपवास (बिना पानी पिए) रहकर मनाती है द्य इस उपवास में महिलाएं 6 की संख्या में पूजा में उपयोग हेतु समान एकत्र करते हैं।

जहां विवाह उपरांत पहले साल जो महिलाएं उपवास रहती है उसे कमर छठ की पूजा में 6 प्रकार की अनाज जिसमें लाई और चना उड़द मूंग मसूर महुआ जैसे कृषि फसल पूजा में आवश्यक होता है द्य 6 बास के बनी छोटे छोटे टोकनी तथा 6 प्रकार के मिट्टी के बने खिलौने जिसमें बाटी भावरा जैसे खेल सामग्री बनाए जाते हैं।

बिना हल चलाए निकाले धान के चावल जिसे पसहर चावल कहा जाता है का उपयोग भोजन के रूप में किया जाता है द्य इस पूजा में गाय के बजाय भैंस के दूध दही और घी का उपयोग किया जाता है।

इस पूजा में खमार और महुआ के पेड़ का विशेष उपयोग होता है द्य महिलाएं इनके टहनी को दातुन के रूप में उपयोग करती हैं तथा उसके पत्ती को पूजा में उपयोग करते हैं। महिलाएं खम्हार या महुआ की पत्ते को भोजन पतरी के रूप में उपयोग कर इसी के ऊपर में भोजन रखकर करते हैं द्य इस पूजा में बिना नमक का भोजन बनाया जाता है द्य भोजन बन जाने के बाद उन्हें 6 हिस्से में 6 जीव जंतुओं जिसमें चींटी पक्षी पशु गाय कुत्ता बिल्ली चूहा जैसे जीव जंतुओं के हिस्से का अलग निकाल कर प्रसाद के रूप में उपवास महिलाएं ग्रहण करती है।

इस पूजा में जमीन में एक गड्ढा बनाया जाता है जिसमें दो हिस्से में बांटा जाता है जिसे सागरी कहा जाता है द्य सागरी के चारों तरफफूल के पेड़ काशी के पौधे लगाए जाते हैं जिसे सागरी माता का रूप मानकर चारों तरफ महिलाएं बैठकर पूजा करती है द्य तथा सगरी माता का सभी महिलाएं 6 बार परिक्रमा करती है एवं बुलाए गए पंडित या किसी वृद्ध महिलाओं के द्वारा 6 ज्ञानवर्धक कहानी बताई जाती है द्य पूजा उपरांत सभी महिलाएं सागरी में पानी डालते हैं तथा अपने छोटे बच्चे का पैर इस सागरी के पानी से धुलवाती है सभी महिलाएं पूजा उपरांत उपस्थित बड़े बुजुर्गों का प्रणाम कर उनसे आशीर्वाद लेती है द्य कई महिलाएं पीला मिट्टी का पोटली बनाकर पूजा स्थल पर ले जाते हैं तथा घर में लाकर उसे बच्चों के पीठ में निशाना बनाते हैं द्य कहा जाता हैं इससे सगरी माता का आशीर्वाद मिलता है। इस पूजा में महिलाएं सगरी माता के साथ देवाधिदेव महादेव की पूजा करती है पौराणिक मान्यता है कि कंस ने देवकी के 7 बच्चों का वध कर दिया था द्य तब देवकी ने हल छठी मां का व्रत रखा जिसके फलस्वरूप भगवान कृष्ण का जन्म हुआ द्य अन्य मान्यताओं के अनुसार त्रेता युग में भगवान विष्णु मर्यादा पुरुषोत्तम राम के रूप में जन्म लिया तथा शेषनाग लक्ष्मण के रूप में द्य उन्होंने द्वापर में भगवान राम ने कृष्ण के रूप में तथा शेषनाग बलराम के रूप में बड़े भाई बन कर अवतार लिए द्य जिनके जन्म दिन को हल छठी के रूप में मनाया जाता है द्य हल छठी पर्व कमरछठ जिसमें अपने बच्चों के सुख समृद्धि और सुखद भविष्य के लिए छत्तीसगढ़ में उपवास रखा जाता हैद्य यह यू पी एवं बिहार के द्वारा दीपावली के छठे दिन मनाया जाने वाला छठ पर्व से मिलता-जुलता है दोनों की पूजा पद्धति अलग है लेकिन दोनों उपवास अपने संतान के लिए ही की जाती है द्य कमर छठ उपवास को किसी कारणवश यदि महिलाएं एक साल छोड़ देती है तो अगले साल से यह उपवास को नहीं रख सकती है।

दल्ली राजहरा वार्ड क्रमांक 2 गणेश चौक में महिलाएं एकत्र होकर कमर छठ व्रत विधि विधान के साथ मन कर पूजा अर्चना कर भगवान देव आदि देव महादेव की आरती की गई जिसमें प्रमुख रूप से द्रौपदी साहू नर्मदा साहू कविता निषाद रोशनी निषाद प्रेमलता निर्मलकर रोशनी साहू पूनम जायसवाल राजकुमारी साहू लोकेश्वरी डोलेश्वरी बबली भारती आशा किरण साहू मानकी साहू संत्री निर्मलकर पूर्णिमा दूलेश्वरी सुनीता द्रोपती मोहिनी निर्मला चेमन रीना जायसवाल रवि साहू एवं चौक के अनेक महिलाएं एकत्रित थी ।

अखण्ड रामनाम सप्ताह को लेकर एसपी गौरव राय ने देखी सुरक्षा व्यवस्था

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा 4 सितंबर। शहर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आयोजित हो रहे अखण्ड रामनाम सप्ताह के अंतिम दिन (दिनांक 05.09.2026) निकलने वाली भव्य शोभायात्रा, धार्मिक कार्यक्रमों एवं भजन मंडलियों के जुलूस को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक गौरव राय द्वारा भाटापारा पहुंचकर सुरक्षा तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने सबसे पहले राम सप्ताह मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा जिले में शांति, सौहार्द और सुख-समृद्धि की कामना की। तत्पश्चात उन्होंने शहर में निकलने वाली शोभायात्रा एवं जुलूस के संपूर्ण मार्ग का पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था तथा यातायात प्रबंधन का जायजा लिया।

सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश: निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शोभायात्रा एवं भजन मंडलियों के भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। पूरे शहर को सुरक्षा की दृष्टि से अलग-अलग सेक्टरों (आडिल अस्पताल से जयस्तंभ चौक, रामसप्ताह चौक, गोविंद चौक, रायल इन होटल, हटरी बाजार, आजाद चौक आदि) में विभाजित कर पर्याप्त पुलिस बल एवं सेक्टर प्रभारियों की तैनाती के आदेश दिए गए हैं। साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु विशेष पार्किंग व्यवस्था एवं रूट डायवर्जन के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारी: इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खोमन सिन्हा, एसडीओपी तारेश साहू, थाना प्रभारी शहर निरीक्षक अमित पाटले, यातायात प्रभारी भाटापारा निरीक्षक नरेश कांगे सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आईएसबीएम विश्वविद्यालय में जन्माष्टमी पर दही हांडी प्रतियोगिता

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा4 सितंबर। कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आईएसबीएम विश्वविद्यालय के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों की रचनात्मकता, टीम भावना एवं भारतीय संस्कृति के प्रति जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ÷दही हांडी फोड़ प्रतियोगिता÷ का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया गया जिसमें टिकेंद्र साहू, अजय , खोमन दीवान , बंटी , देवराज जगत, दानिस, चमन, बादल , और मनोज सभी सामूहिक विजेता रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके संदेश–प्रेम, कर्म, सहयोग और सद्भाव–को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने के साथ-साथ विश्वविद्यालय परिसर में उत्सव एवं सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण निर्मित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विश्वविद्यालय के संस्कृति विभाग के अध्यक्ष हिमांशी साहू , विकास साहू, ट्विंकल दीपक, डाली यदु , श्री कृष्ण कुमार साहू, श्री केशव कुमार , डां लक्ष्मीकांत सिन्हा, सहित सभी विभाग के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, आयोजन समिति का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम अंत में अकादमिक डीन एवं आईक्यूएसी डायरेक्टर डॉ एन. कुमार स्वामी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डां. ओमप्रकाश साहू, एवं संस्कृति विभाग द्वारा प्रतिभागियों एवं विजेताओं को शुभकामनाएं एवं पुरस्कार प्रदान करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

नियोजक तकनीकी एवं गैर तकनीकी के 185 पदों पर करेंगे भर्ती

बालोद, 4 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र बालोद के तत्वावधान में 11 सितंबर 2026 को जिला रोजगार कार्यालय सिवनी, बालोद में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र बालोद के जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में 03 नियोजकों द्वारा कुल 185 तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों पर भर्ती की जाएगी।

जिसमें 10वीं, 12वीं, इंजीनियर, आईटीआई, बी.एससी. एग्रीकल्चर, स्नातक एवं स्नातकोत्तर योग्यताधारी अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि पुस्कल एग्रोटेक लिमिटेड रायपुर के द्वारा 40 पद, फाइंड दक्ष प्रायवेट लिमिटेड रायपुर के द्वारा 108 एवं यूपीडीटी एजुकेशन टेक्नोलॉजी प्रायवेट लिमिटेड रायपुर के द्वारा 37 पदों पर भर्ती की जाएगी। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में शामिल होने के लिए आवेदकों को रोजगार विभाग के पोर्टल https://erojgar.cg.gov.in अथवा रोजगार ऐप के माध्यम से केवल ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही अभ्यर्थियों को रोजगार मेले में अपने समस्त शैक्षणिक योग्यता के मूल प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और रोजगार पंजीयन कार्ड की छायाप्रति लाना आवश्यक है।

बाल दिव्यांग प्रमाणीकरण अभियान के तहत लगेगा शिविर 7 सितंबर को

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद, 4 सितंबर। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में बाल दिव्यांग प्रमाणीकरण अभियान 2026 अंतर्गत 'हर पात्र बच्चे तक प्रमाण-पत्र और अधिकार कार्यक्रम अंतर्गत शिविर आयोजित किया जा रहा है। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक श्री अजय गेडाम ने बताया कि बालोद जिले में शिक्षा विभाग द्वारा कुल 4447 संभावित दिव्यांग छात्र-छात्रा अध्ययनरत् है। जिन्हें उक्त शिविर के माध्यम से दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाकर शासन के महत्वाकांक्षी योजना से लाभान्वित किया जाएगा। शिविर स्थल में जिला मेडिकल बोर्ड बालोद द्वारा परीक्षण कर दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाया जाएगा। जिसमें 06 से 18 वर्ष आयु वर्ग के कक्षा पहली से कक्षा बारहवीं के दिव्यांग बच्चों का नवीन दिव्यांग प्रमाण पत्र, प्रमाण-पत्रों का नवीनीकरण, यूनिक आई डी कार्ड, कृत्रिम अंग निर्माण हेतु माप, पेंशन पंजीयन, उपकरण पंजीयन, दिव्यांग छात्रवृत्ति पंजीयन, दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन हेतु पंजीयन एवं घरौंदा गृह से संबंधित जानकारी प्रदाय किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर का आयोजन समाज कल्याण विभाग सिवनी के कार्यालय परिसर में किया जाएगा। जिसमें 07 सितंबर को बालोद विकासखण्ड, 08 सितंबर को गुरूर विकासखण्ड, 09 सितंबर को गुण्डरदेही विकासखण्ड, 11 सितंबर को डौण्डी विकासखण्ड एवं 12 सितंबर को डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के दिव्यांगजनों का परीक्षण कर दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजनों को शिविर स्थल तक लाने एवं परीक्षण उपरांत उन्हें संकुल केन्द्रों तक छोड़ने हेतु बसों की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक बस में दिव्यांगजनों के साथ संबंधित जनपद पंचायत, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग एवं समाज कल्याण विभाग जिला बालोद के नामित कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। साथ ही शिविर में उपस्थित दिव्यांगजनों एवं उनके सहायकों हेतु चाय, नास्ता, पानी एवं भोजन की व्यवस्था की गई है।

विद्युत उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया प्रारंभ

■ **दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के 10 लाख 09 हजार से अधिक कनेक्शनों का होगा सत्यापन**

बालोद, 4 सितंबर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं के कनेक्शनों एवं उनके रिकॉर्ड को अधिक प्रमाणिक, अद्यतन और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। विद्युत रीजन दुर्ग के अंतर्गत दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले कें लगभग 10 लाख 09 हजार 521 निम्नदाब उपभोक्ताओं को ई-केवाईसी कराया जाएगा। जिसकी शुरुआत 01 सितंबर 2026 से हो चुकी है। यह प्रक्रिया उपभोक्ता डेटाबेस को सटीक बनाने और यह सुनिश्चित करने में मदद करेगी कि कनेक्शन का उपयोग करने वाला व्यक्ति वास्तविक एवं वैध है। ई-केवाईसी के माध्यम से विद्युत कनेक्शन से संबंधित उपभोक्ता की पहचान का सत्यापन किया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी कि विद्युत कनेक्शन जिस व्यक्ति के नाम पर दर्ज है, वह वास्तविक एवं वैध उपभोक्ता है तथा वर्तमान में कनेक्शन का उपयोग कौन कर रहा है। इस प्रक्रिया से विद्युत कंपनी को अपने उपभोक्ता रिकॉर्ड को व्यवस्थित एवं अद्यतन करने के साथ वास्तविक उपभोक्ताओं का प्रमाणिक डेटाबेस तैयार करने में मदद मिलेगी।

उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ई-केवाईसी के लिए तीन आसान विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। उपभोक्ता 'मोर बिजली मोबाइल ऐप' के माध्यम से स्वयं ऑनलाइन ई-केवाईसी कर सकते हैं। इसके अलावा नजदीकी वितरण केंद्र अथवा जोन कार्यालय में उपस्थित होकर अधिकृत कर्मचारियों के माध्यम से ई-केवाईसी कराया जा सकता है अथवा मीटर रीडर उपभोक्ता के घर पहुंचकर मोबाइल ऐप के माध्यम से ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करेगा। ई-केवाईसी के दौरान उपभोक्ता की पहचान का सत्यापन आधार ऑथेंटिकेशन के माध्यम से ओटीपी, फिंगरप्रिंट अथवा फेस ऑथेंटिकेशन से किया जा सकेगा। यदि किसी उपभोक्ता का नाम विद्युत कनेक्शन एवं आधार कार्ड में अलग है, तो पहले विद्युत कनेक्शन में नाम सुधार करना होगा, जिसके लिए केवल नाम में त्रुटि होने पर कोई प्रोसेसिंग शुल्क नहीं लिया जाएगा, जबकि मालिकाना हक में परिवर्तन होने पर नियमानुसार शुल्क और दस्तावेज देने होंगे।

विद्युत कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ई-केवाईसी की पूरी प्रक्रिया निःशुल्क है और इसके लिए उपभोक्ता से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि ई-केवाईसी के नाम पर किसी अनधिकृत व्यक्ति को राशि न दें। उपभोक्ता केवल अधिकृत माध्यमों से ही ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करें और किसी संदिग्ध लिंक या अनधिकृत ऑनलाइन माध्यम का उपयोग न करें। ई-केवाईसी केवल पहचान सत्यापन की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विद्युत कंपनी के उपभोक्ता डेटाबेस को सटीक, प्रमाणिक एवं अद्यतन बनाने की महत्वपूर्ण पहल है। इससे वैध उपभोक्ताओं की पहचान सुनिश्चित होने के साथ-साथ मृत उपभोक्ताओं के नाम पर दर्ज कनेक्शनों, अनधिकृत उपयोग और अवैध विद्युत कनेक्शनों की पहचान करने में भी सहायता मिलेगी। विद्युत वितरण कंपनी ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 01 सितंबर 2026 से प्रारंभ ई-केवाईसी प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग प्रदान करें और अपने विद्युत कनेक्शन का ई-केवाईसी अवश्य कराएं।

प्राकृतिक आपदा के कारण मृत व्यक्ति के निकटतम वारिसान को 4 लाख रूपए सहायता राशि स्वीकृत

बालोद, 4 सितंबर। अपर कलेक्टर ने आदेश जारी कर राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 06 क्रमांक 04 के तहत् जिले में प्राकृतिक आपदा नैसर्गिक विपत्तियों के कारण जिले के मृत व्यक्ति के परिवार (निकटतम वारिस) को आर्थिक सहायता अनुदान दिए जाने के प्रावधानों अनुसार 04 लाख रूपए आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत किया है।

कलेक्टर ने सेवानिवृत्त कर्मचारी को दी विदाई

बालोद, 4 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। संयुक्त जिला कार्यालय बालोद में पदस्थ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्री नरोत्तम सिंह टेमार्य के अर्द्धवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर जिला कार्यालय सभाकक्ष में सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने अपनी संवेदनशीलता एवं उदारता का परिचय देते हुए श्री टेमार्य को सम्मानपूर्वक अपने साथ बिठाया तथा अवकाश नगदीकरण एवं भविष्य निधि की राशि भेंट कर उनके सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने श्री टेमार्य की दीर्घ शासकीय सेवा, कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पित कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि ईमानदारी, अनुशासन और निष्ठा के साथ लंबे समय तक शासकीय सेवा करना सराहनीय है। उन्होंने जिला कार्यालय परिवार की ओर से श्री टेमार्य को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में अपर कलेक्टर श्री चन्द्रकांत कौशिक, श्री अजय किशोर लकड़ा सहित जिला कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने श्री टेमार्य के भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

यूसीसी का मकसद सभी के लिए एक समान नियम बनाना है

समान नागरिक संहिता भी भाजपा का एक पुराना वादा है,अब जब देश के राज्यों में भी भाजपा की सरकार बन गई हैं तो भाजपा राज्यों में सभी वर्ग,धर्म लोगों के लिए एक जैसा कानून बनाने का वादा पूरा करने जुट गई है। कई राज्यों में भाजपा सरकारों ने यूसीसी का वादा पूरा कर दिया है यानी कई राज्यों में यूसीसी लागू हो गया है। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। बैठकों को दौर जारी है, बैठक में धार्मिक,सामाजिक संगठनों सहित विभिन्न आयोगों, निगम, मंडल के पदाधिकारियों से सुझाव लिए जा रहे हैं। अच्छी बात यह है कि संविधान के अनुच्छेद ४४ के तहत राज्य के नीति निदेशक तत्वों को साकार करने के उद्देश्य से गठित यूसीसी समिति के समक्ष धार्मिक सामाजिक संगठनों, विभिन्न वर्गों सहित आयोग,निगम,मंडल के पदाधिकारी लगातार सुझाव देने सहभागिता कर रहे हैं। समान नागरिक संहिता का मकसद प्रदेश के सभी नागरिकों के लिए धर्म,जाति,पंथ से परे विवाह,तलाक,उत्तराधिकार,गोद लेने जैसे पारिवारिक मामलों में एक समान नियम बनाना है।इसके तहत अलग अलग वर्गों में मौखिक तलाक और कुछ धार्मिक कुप्रथाओं पर रोक लगाई जाएगी।इसका मकसद धर्म समुदाय से परे हटकर सभी लोगों के लिए एक विधिक ढांचा तैयार करना है।कई मामलों में महिलाओं का बराबर का अधिकार नहीं है, ऐसे मामलो में महिलाओं को बराबर का अधिकार देने का प्रयास किया जाएगा। ऐसे जो भी नियम है,असमानता को बढ़ावा देने वाले उनको समाप्त किया जाएगा।वर्तमान में लागू विभिन्न व्यक्तिगत कानूनो की जटिलताओं और भ्रम को दूर कर एक स्पष्ट और सुव्यवस्थित संहिता का निर्माण करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाना है। छत्तीसगढ़ में यूसीसी लागू करने की तैयारी तेज हो गई है।इसके लिए उच्चस्तरीय समिति बना दी गई है। पांच सदस्यीय समिति को आम लोग,धार्मिक संगठन,सामाजिक संगठन, आयोग, निगम,मंडल,विशेषज्ञ १५ अक्टूबर २०२६ तक अपना सुझाव दे सकते हैं। इसके बाद सुझावों का अध्ययन कर ड्राफ्ट बनाया जाएगा और सरकार को सौंपा जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र में यूसीसी विधेयक को पेश किया जा सकता है।भाजपा कोई अच्छा काम करे और कांग्रेस उसका विरोध न करे ऐसा होता नहीं है। भाजपा ने जैसे ही यूसीसी की तैयारी शुरू की कांग्रेस की तरफ से इसका विरोध करते हुए कहा गया कि आदिवासियों के अधिकार कम करने,परंपराओं,मान्यताओं को समाप्त करने के लिए यूसीसी लाया जा रहा है।यही वजह है भाजपा ने हाल ही में न्यू सर्किट हाउस में आयोजित परिचर्चा में बस्तर से सरगुजा तक के आदिवासियों प्रतिनिधियों,विभिन्न आयोगों के पदाधिकारियों से विवाह,तलाक,भरणपोषण,उत्तराधिकार,लिव इन पर सुझाव लिए गए है।इस मौके पर कंवर,गोंड,बैगा और उरांव जातियों के प्रतिनिधियों ने यूसीसी में आदिवासी समाज की पारंपरिक प्रथाओं,रीतिरिवाजों और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया।भाजपा शासित जिन राज्यों में यूसीसी लागू किया गया है वहां पर अनुसूचित जनजातियों को यूसीसी से बाहर रखा गया है।जैसे उत्तराखंड में अजजा को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया है।गुजरात में पारित विधेयक में अजजा को उनके पारंपरिक और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा के लिए छूट दी गई है।असम और मप्र में भी जनजातीय समुदायों को यूसीसी के प्रावधानों से मुक्त रखा गया है।

महिला आयोग ने भी महिलाओं के अधिकारों,सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सुझाव दिए हैं।यूसीसी के लिए मुसलमान समाज के प्रबुध्द लोगों की बैठक हुई तो उसमें समाज के अधिवक्ता,कानून के जानकार,उलेमा,मुफ्ती,शहर काजी,कुरान,शरीयत के जानकार,विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोगों ने विचार विमर्श किया गया।तय किया गया कि यूसीसी में सुझाव देने के लिए राज्यस्तरीय समिति बनाई जाएगी जो जिलों में जाकर लोगों से सलाह मश्वरा करेगी।बैठक में कहा गया कि यूसीसी के मुद्दो पर विरोध के बजाय रचनात्मक संवाद को प्राथमिकता दी जाएगी।भारतीय संविधान में निहित समानता,न्याय,धार्मिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखते हुए।मुस्लिम समाज के सुझावों को यूसीसी समिति के समक्ष रखा जाएगा। सरकार की तो पूरी कोशिश है कि यूसीसी पर किसी तरह का विवाद, विरोध हो और सभी के सहयोग यूसीसी बने और दूसरे राज्यों की तरह जल्द राज्य में भी यूसीसी लागू कर दिया जाए। कांग्रेस हर बात का विरोध करेगी और वह तो ताक में रहेगी कि किस बात पर यूसीसी का वह विरोध कर सकती है और लोगों को गुमराह कर सकती है।आदवासियों को गुमराह करने का प्रयास वह पहले कर चुकी है इसलिए यूसीसी लागू होने के बाद फिर वह आदिवासियों व मुसलमानों को गुमराह कर सकती है। इसलिए सरकार को यूसीसी लागू करने पहले एक बार फिर से सभी समाज के लोगों से चर्चा कर लेनी चाहिए ताकि कांग्रेस को यूसीसी पर राजनीति करने का कोई मौका न मिले।

सू- दोकू क्र.150

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.149 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

शब्द सामर्थ्य -150

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक149 का हल

वा	स्ता	■	■	सि	स	की	■	■
जि	■	ल	प	ट	■	मा	चि	स
ब	द	ला	■	क	■	■	ल	■
■	■	ट	■	नी	ल	क	म	ल
ता	ली	■	का	■	की	■	■	हू
क	■	स	रो	का	र	■	■	लु
झां	■	ज	बा	न	■	म	सी	हा
क	च	ना	र	■	भा	र्या	■	न
■	र्म	■	■	ज	र	दा	■	■

शिक्षक दिवस 5 सितंबर

शिक्षक को चाणक्य न बनने दें

डॉ . सूर्यकांत मिश्रा

आज के अत्याधुनिक और व्यवसायिक युग ने हर क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन ला दिया है । इस परिवर्तनकारी समय में शिक्षा और शिक्षक भी प्रभावित दिखाई पड़ रहे हैं । तेजी के साथ बदले व्यवसायीकरण की वजह से समाज ने एक बेहद ही खतरनाक और चिंताजनक प्रवृत्ति को जन्म दिया है । वर्तमान समय में इसी बदलाव के चलते शिक्षक को ज्ञानदाता अथवा मार्गदर्शक के बजाए एक पेड सर्वेद (नौकर) समझने की बड़ी भूल पूंजीपतियों द्वारा समझ ली गई है ! लक्ष्मी पुत्रों की इस मानसिकता से न केवल शिक्षा की गरिमा तार - तार हो रही है बल्कि आने वाली पीढियों का भविष्य भी अंधकार में हो रहा है ! आज से लगभग चार दशक पूर्व के पालक और आज के पालकों की सोच में जमीन आसमान का अंतर साफ दिखाई पड़ रहा है। आज का पालक जो 21वीं सदी में जी रहा है वह तथा उसके बच्चे यह सोच रखने वाले बन चुके हैं कि , क्योंकि वह स्कूल मैनेजमेंट को भारी भरकम फीस दे रहे हैं इसलिए शिक्षक उनके नौकर हैं ! पालक यह कहने से भी नहीं चूकते कि हम पैसे दे रहे हैं इसलिए आप हमारे कहे अनुसार काम करें ! यह अहंकार आज की शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा अभिशाप बन चुका है । पालकों तथा शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों को यह याद रखना चाहिए की फीस शिक्षा की व्यवस्था के लिए दी जाती है । शिक्षक के सम्मान और उसकी योग्यता को खरीदने के लिए नहीं ।

शिक्षा की बिगड़ी व्यवस्था के कारण जब छात्र अपने माता-पिता के मुखारविंद से शिक्षकों के प्रति सम्मानहीन बातें सुनते हैं तो वे भी शिक्षक का अनादर करने लगते हैं ! यही कारण है कि आज के विद्यार्थी कक्षा में शिक्षकों की बातों को अनसुना करने लगे हैं ! शिक्षकों के साथ बहस करना अथवा उन्हें चुनौती देना आम घटनाक्रम में शामिल किया जाने लगा है । समाज इस सच्चाई से भटक चुका है कि जब छात्र के मन में शिक्षक के प्रति भय या सम्मान ही नहीं रहेगा तो वह उनसे ज्ञान और संस्कार की प्राप्ति कैसे कर पाएगा ? एक शिक्षक का मुख्य काम छात्र के चरित्र का निर्माण करना और उसे सही राह पर प्रशस्त करना होता है । समाज को यह समझना होगा कि जब शिक्षक को एक सेवा प्रदाता की तरह मान लिया जाता है तो शिक्षक का मनोबल टूट जाता है । वे भी खुद को सिर्फ एक कर्मचारी समझने लगते हैं और अपना कर्तव्य पाठ्यक्रम पूरा करने और वेतन लेने तक समझने लगते हैं । ऐसी सोच के चलते शिक्षक की वह आत्मा दम तोड़ जाती है , जो एक छात्र को बेहतर इंसान बनाती है । इन सारी नकारात्मक सोच के पैदावार कोई और नहीं बल्कि आज के पालक ही माने जा सकते हैं । साथ ही ऐसे पूंजीपति जिन्होंने शिक्षण संस्थाओं का संचालन महज इसलिए शुरू कर रखा है कि उससे धन अर्जन कर सकें । भारतवर्ष की संस्कृति " गुरु शिष्य परंपरा " वाली रही है । इस देश में गुरु का स्थान भगवान से भी ऊपर माना गया है । गुरु केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देता बल्कि जीवन जीने की कल भी सीखाता है । शिक्षक को नौकर समझने की भूल

करके हम अपनी इसी समृद्ध , सांस्कृतिक और नैतिक नींव को कमजोर कर रहे हैं । यदि इस तरह की प्रवृत्ति जारी रही तो यह निश्चित है कि हमारे पास डिग्रियों वाले युवा तो बहुतायत में होंगे किंतु उनके पास नैतिकता , धैर्य और सम्मान जैसे गुण का सर्वथा अभाव ही होगा । यह भी कटु सत्य है कि एक ऐसा समाज जहां शिक्षकों का सम्मान नहीं होता वह कभी भी वैचारिक और आत्मिक रूप से तरक्की नहीं कर सकता । हम कह सकते हैं कि शिक्षक को नौकर समझना समाज की सबसे बड़ी बौद्धिक दिवालियापन की निशानी है । शिक्षा कोई व्यापार नहीं है और न ही शिक्षक बंधवा मजदूर । यदि हम अपनी भावी पीढ़ी को एक सुरक्षित , संस्कारी और समृद्ध भविष्य देना चाहते हैं तो हमें शिक्षकों को उनका खोया हुआ सम्मान वापस लौटना होगा । माता-पिता को अपनी सोच बदलनी होगी और बच्चों को सिखाना होगा कि शिक्षक का पद हर आर्थिक लेनदेन से ऊपर और पूजनीय है । मैं शिक्षकों से भी ऐसी उम्मीद करना चाहता हूं कि वे सराहना के योग्य बने । अध्यापन के प्रति समर्पण भाव के पुजारी हों । दूसरों के लिए प्रेरक बनने की चाह रखते हों । साथ ही सम - व्यवहार उनका नैतिक गुण हो जिसके कारण उन्हें हर बच्चा पाना चाहता हो।

शिक्षार्थियों के साथ शिक्षकों को भी अपने पेशे के प्रति सचेत रहने की जरूरत है । कहा जाता है - " बड़ी शक्ति के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है। " एक शिक्षक को हमेशा यह याद रखना चाहिए कि समय के अनुसार किस तरह का बदलाव जरूरी है । साथ ही अपने विद्यार्थियों को यह विश्वास दिलाने का प्रयास सदैव करते रहना चाहिए कि उनके सानिध्य में वे सुरक्षित हैं । शिक्षक को सकारात्मक व्यवहार के साथ विद्यार्थियों को यह विश्वास दिलाना चाहिए कि वह सुनहरे दिन की ओर कदम बढ़ा रहे हैं । यह भी सत्य है कि एक शिक्षक स्वयं पारिवारिक रूप से कई परेशानियों से घिरा होता है , किंतु कक्षा में प्रवेश करते ही सारी परेशानियां पीछे छोड़ देनी चाहिए । एक शिक्षक को छात्रों की रुचि को जानने का प्रयास जरुर करना चाहिए ताकि उससे प्रत्यक्ष रूप से जुड़कर उनके अनुसार पाठ्यक्रम को रुचिकर बनाकर आगे बढ़ा जा सके । आजकल का सिस्टम शिक्षकों को पीड़ित और अपमानित करके शिक्षा देने के लिए बाध्य कर रहा है ! सुबह से शाम तक दरोगाई निरीक्षण केवल शिक्षक को अपमानित ही करता है ! जिन कामों के लिए शिक्षक जिम्मेदार नहीं उसके लिए भी उसे नोटिस थमा दी जाती है !शौचालय की सफाई , बाउंड्री निर्माण , बच्चों का आधार सीडिंग आदि दर्जनों काम ऐसे हैं जिससे शिक्षक का कोई लेना देना नहीं किंतु उसके लिए भी उसे डांट सहनी पड़ती है । प्रशासन की कु - व्यवस्था कहीं आज के शिक्षक को चाणक्य बनने विवश न कर दे , अन्यथा विकास की जगह विनाश ही दिखाई पड़ेगा ! हम उस दृश्य को याद कर सकते हैं जिसमें मगध सम्राट घनानंद ने अहंकार में आकर भरी सभा में आचार्य चाणक्य का अपमान किया और उन्हें शिखा (चोटी) पकड़कर बाहर निकलवा दिया ! उसी समय चाणक्य ने अपनी शिखा उस समय तक खुली रहने की प्रतिज्ञा ले ली , जब तक नंदवंश का विनाश न कर दे ।चाणक्य ने चंद्रगुप्त की नेतृत्व क्षमता को पहचान कर उसे शस्त्र , शास्त्र , राजनीति , कूटनीति और युद्ध कौशल की शिक्षा देकर घनानंद को युद्ध में पराजित कराकर अपना बदला ले लिया । घनानंद का घमंड चूर करके जिस तरह चाणक्य ने यह सिद्ध कर दिया कि शिक्षा से बड़ा कोई शास्त्र - शस्त्र नहीं । उसी तरह कहीं अपमानित शिक्षक बदले की रणनीति अपनाकर चाणक्य न बन जाए इस बात का ध्यान समाज को रखना होगा ।

शिक्षकदिवस

सर्वकालीन सम्मान के हकदार शिक्षक नेपथ्य में क्यों

संजीव ठाकुर

वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी कहा है कि विद्यार्थियों में आनंद का भाव और ज्ञान के आनंद को पैदा करना शिक्षकों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुण और कार्य है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अत्यंत सारगर्भित बात कही "कि शिक्षक वह नहीं है जो विद्यार्थी के दिमाग में तथ्यों को बोझ बनाएं बल्कि वास्तविक शिक्षक वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करें" द फिलॉसफी ऑफ ऑफ उपनिषद, ईस्ट वेस्ट सम रिफ्लेक्शंस, इंडियन फिलासफी, हिंदी व्यू ऑफ लाइफ जैसी गूढ किताबों की रचना करने वाले 40 वर्ष तक शिक्षक का कार्य सफलतापूर्वक निर्वहन करने के बाद 5 सितंबर को उनकी स्मृति मैं पूरे देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। नैसर्गिक रुप से हर संतान की प्रथम शिक्षिका माता ही होती है। जीवन के संसार में प्रवेशके बाद प्रतीक ज्ञान की शालाओं के शिक्षको की भूमिका उसके संपूर्ण शिक्षकीय जीवन में छात्रों के लिए ज्ञान के दिग्दर्शन, देश के श्रेष्ठ नागरिक बनाने और मानविय संवेदनाओं को जीवन मे मार्गदर्शित करने की होती है। आज शिक्षा के निजीकरण के बाद शिक्षा एक व्यवसाय का रूप लेती नजर आ रही है, इसलिए शिक्षकों को व्यवहार में भी आमूल चूल परिवर्तन देखा गया और यही कारण है कि शिक्षकों के सम्मान एवं उन पर विश्वास में कुछ वर्षों में काफी कमी आई है।शिक्षकों के सम्मान में आई इस कमी के लिए केवल छात्र, वर्तमान का भौतिक युग और अभिभावक ही दोषी नहीं है बल्कि शिक्षक भी इस में समान रूप से कहीं न कहीं दोषी पाए गए हैं। शिक्षक दिवस मनाने के उद्देश्य न केवल विद्यार्थियों शिक्षकों के महत्व को बताते हुए उन्हें सम्मान देने के लिए प्रेरित करना है बल्कि शिक्षकों को उनकी भूमिका एवं उत्तरदायित्व का आभास भी करवाने के लिए शिक्षक दिवस मनाया जाता है। वैसे तो यह विदित है कि शिक्षक महोदय का कार्य अध्यापन करना होता है किंतु अध्यापन के उद्देश्य की पूर्ति तब ही हो सकती है जब इसके अतिरिक्त विद्यालय, महाविद्यालय की अनुशासन व्यवस्था में सहयोग करके शिष्टाचार का पालन अपने सहकर्मियों के साथ सकारात्मक व्यवहार एवं पाठ्यक्रम के अन्य क्रियाकलापों में भी अपनी सहभागिता, सहयोग रखना भी होता है। शिक्षकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह एक आदर्श रूप सदैव धारण किए रहे और अनुशासन ,समय की प्रतिबद्धता एवं जितने भी कार्य का दायित्व उसे सौंपा जाए वह उसे 100% निष्ठा और कर्तव्य परायणता के साथ संपादित करें किन्तु हम यह भूल जाते हैं कि शिक्षक भी एक इंसान ही होता है वह हर कार्य में संपूर्ण रूप से खरा नहीं उतर सकता फिर ऐसे में किसी व्यक्ति से संपूर्ण रुप से आदर्श व्यक्ति होने की अपेक्षा रखना कितना न्यायोचित होगा । राष्ट्र के निर्माण में जिन शिक्षकों की भूमिका इतनी महत्वपूर्ण होती है और नवोदित बालकों को प्राथमिक शिक्षा से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक एवं राजनेता बनाते तक शिक्षक इनका दिग्दर्शन करते हैं को केवल एक दिन सम्मान देकर भूल जाना कतई उचित नहीं है. वैसे शिक्षक दिवस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 5 अक्टूबर को मनाया जाता है और इसकी शुरुआत 1994 में यूनेस्को में की गई थी अमेरिका ,चीन ,इजराइल एवं अन्य यूरोपीय देशों में शिक्षक दिवस अलग-अलग दिवसों में मनाया जाता है। शिक्षक और शिक्षा एवं ज्ञान का बुनियादी स्वरूप किसी भी राष्ट्र की शक्ति एवं विकास का आधार स्तंभ होते हैं। किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए शिक्षा और शिक्षकों के महत्व को आत्मसात करते हुए शिक्षा के कार्य को सभी कार्यों से श्रेष्ठ समझ कर उसे सर्व कालीन सम्मान दिया जाना चाहिए ,जबकि विकासशील देशों में भारत सहित शिक्षकों को वह स्थान नहीं दिया जा रहा है जिसके वे मूल हकदार हैं उन्हें उचित वेतनमान एवं आर्थिक सहायता भी उच्च स्तर की प्राप्त होनी चाहिए जिससे वह अपना शत-प्रतिशत छात्रों को समर्पित कर सकें। यूरोपीय देशों में शिक्षकों के महत्व को दर्शाते हुए वहां उनका वेतन डॉक्टर, इंजीनियर, एवं अन्य प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों से अधिक प्रदान किया जाता है जिससे शिक्षक अपने परिवार और आने वाली पीढ़ी के लिए समुचित आर्थिक व्यवस्था कर सके. पर भारतीय परिपेक्ष में प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षकों को न्यूनतम वेतन में संविदा नियुक्ति पर रख उनका अवमूल्यन कर दिया गया है। उनको सम्मानीय शिक्षक का पद ना बोलते हुए शिक्षा कर्मी का पद दे दिया गया है जो कि न सिर्फ शिक्षक की गरिमा के विरुद्ध है बल्कि उनके सम्मान को भी ठेस पहुंचाती है। शिक्षकों के लिए 5 सितंबर का दिवस मना कर हम इतिश्री कर लेते हैं जबकि एक आदर्श शिक्षक से उम्मीद करते हैं कि वह वह प्रशासनिक तौर पर कक्षा में आशावादी दृष्टिकोण रखने वाला एक विद्वान व्यक्ति हो, मनोविज्ञान का ज्ञान भी उसे सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप विनोदी स्वभाव के साथ हो, दूरदर्शिता एवं मिलनसार सद्गुण उसके गुणों में समाहित होना चाहिए। यदि इस तरह आप संपूर्ण रुप से शिक्षित, परिपक्व एवं अनुशासन प्रिय ,ईमानदार व्यक्ति को किसी की शिक्षा में नियुक्त करते हैं तो उसे उचित सम्मान उचित आर्थिक धनराशि एवं समाज में उचित स्थान देने की आवश्यकता होगी। गुरुदेव रविंद्र नाथ ठाकुर, चाणक्य ,सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों में माने जाते हैं .डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन 40 वर्षों तक शिक्षक की कार्य किया एवं 10 वर्षों तक देश के उपराष्ट्रपति रह कर फिर राष्ट्रपति बने उन्होंने शिक्षक का एक आदर्श समाज के सामने रखकर देश के उच्च पद को सुभाषित किया था। वे देश के लिए एक आदर्श पुरुष,आदर्श शिक्षक और आदर्श राष्ट्रपति के रूप में सम्मानित हुए हैं। किसी भी शिक्षक को सम्मान एवं समाज में एक प्रतिष्ठित स्थान दिया जाना चाहिए तब जाकर किसी भी देश समाज और व्यक्ति के लिए समर्पित होकर शिक्षक अपना संपूर्ण निछावर कर सकता है। शिक्षक दिवस का आयोजन तभी सार्थक एवं सफल हो सकता है शिक्षकों को अपने दायित्व का ज्ञान हो तथा विद्यार्थियों एवं उनके वालों को शिक्षकों के महत्व को सम्मान देने की आदत होनी चाहिए. शिक्षक दिवस शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए एक संकल्प लेने का दिवस होता है ताकि संपूर्ण इमानदारी के साथ शिक्षक एवं छात्र मिलकर अपने राष्ट्र को उन्नति के पथ पर ले जाकर एक महान राष्ट्र का निर्माण करना चाहिए और हमें देश के वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक सर्वकालिक महान शिक्षकों का अनुसरण कर समाज का दिग्दर्शन करना चाहिए.

शिक्षा के धंधे में नैतिकता का स्तर और छात्रों का भविष्य

लेखक - डॉ. प्रितम भि. गेडाम

कहने को सभी शिक्षा ज्ञान मंदिर को पवित्र पेशे के रूप में देखते है, लेकिन क्या आज व्यापारीकरण के युग में यह वहीं मंदिर रहा है, जहां क्रांतिज्योति सावित्री बाई फुले शिक्षा की ज्ञानज्योत जलाने के लिए विपरीत विचारों, कुरीतियों वाले पूरे समाज से घृणा और द्वेष सहन करती रही थी। महात्मा ज्योतिराव फुले ने सामाजिक बहिष्कार, अपमान और विरोध की परवाह किए बिना शिक्षा को वंचितों की मुक्ति का माध्यम बनाया; राजर्षि शाहू महाराज ने शिक्षा में सामाजिक न्याय और अवसरों की समानता को राज्य की जिम्मेदारी माना; महर्षि धोंडो केशव कर्वे ने स्त्री-शिक्षा को अपने जीवन का ध्येय बनाया; डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन और मुक्ति की आधारशिला माना; पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन ने पुस्तकालयों को ज्ञान तक समान पहुँच और बौद्धिक लोकतंत्र का माध्यम बनाया और डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने ज्ञान को विकसित और आत्मनिर्भर भारत की शक्ति के रूप में देखा। ऐसे सभी महापुरुषों और समाजसुधारकों की दृष्टि में शिक्षा कोई बिकाऊ वस्तु नहीं, बल्कि व्यक्ति और समाज को बेहतर बनाने वाली सार्वजनिक नैतिक जिम्मेदारी थी।

आज उसी व्यवस्था के सामने एक असहज प्रश्न खड़ा है—क्या शिक्षा धीरे-धीरे ज्ञान और सामाजिक परिवर्तन के मिशन से हटकर फीस, मुनाफा, ब्रांड, परीक्षा-परिणाम और रोजगार के बाजार में बदलती जा रही है? यदि शिक्षा के नाम पर अनावश्यक आर्थिक बोझ, नियुक्तियों में कथित धनबल, राजनीतिक अथवा प्रशासनिक हस्तक्षेप और शिक्षकों की असुरक्षा जैसी प्रवृत्तियाँ बढ़ती है, तो संकट केवल संस्थागत व्यवस्था का नहीं, बल्कि शिक्षा के मूल नैतिक चरित्र का हैं। ऐसी स्थिति में हमें यह पुनर्विचार करना होगा कि जिन महापुरुषों ने शिक्षा को समानता, स्वाभिमान, ज्ञान और सामाजिक मुक्ति का साधन बनाया था, क्या हम उसी विरासत को आगे बढ़ा रहे है या अनजाने में शिक्षा को एक ऐसी व्यवस्था में बदल रहे है, जहाँ विद्यार्थी ग्राहक, शिक्षक कर्मचारी और ज्ञान एक उत्पाद बनता जा रहा है?

आजकल सोशल मीडिया और खबरों में शिक्षा संस्थानों की अनेक अनुचित व्यवहार की अत्यधिक बढ़ती खबरें इसकी पवित्रता कलंकित कर रही हैं। महाराष्ट्र राज्य के सरकारी अनुदानित महाविद्यालयों में पदभरती के नाम पर प्रोफेसर के रेट की बात सबको पता है, अखबारों में कुछ दिन खबरें आती है, फिर सब सामान्य हो जाता हैं। शिक्षकों का मानसिक उत्पीड़न और आत्महत्या की घटनाएं भी लगातार बढ़ी हैं। शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार, भर्ती घोटाले, डिग्री खरीदी, परीक्षा पेपर लीक, उत्तर पुस्तिकाओं में हेर-फेर, सरकारी खर्च में अनियमितता, सामग्री खरीद-फरोख्त में गड़बड़ी और कमज़ोर वित्तीय जवाबदेही ये सब बताते हैं कि शिक्षा के कामकाज में कई स्तरों पर गड़बड़ी हो सकती हैं। हर क्षेत्र में कार्यरत साधारणत सभी कर्मचारियों को पता होता है कि, अपने विभाग में कहा अनुचित या भ्रष्ट कार्य होते है, लेकिन अधिकतम इस बारे में विरोध करना पसंद नहीं करते। जैसा चल रहा है चलने दो, यह रुख अपनाते है, लेकिन इस रुख का सीधा परिणाम संपूर्ण व्यवस्था प्रणाली, समाज और देश पर पड़ता है, जिसके गंभीर परिणाम मासूम जनता को सदियों तक झेलने पड़ सकते हैं। विकसित देशों की शिक्षा संस्थान समान गुणवत्ता पर केंद्रित होती है, जहां अमीर-गरीब और निजी-सरकारी कर्मचारियों के बच्चे बिना किसी भेदभाव के एक ही स्कूल में पढ़ते हैं। जिस देश ने गुणवत्तापूर्ण उन्नत शिक्षा, सुदृढ़ स्वास्थ्य सुविधा और रोजगार सृजनशीलता को महत्वपूर्ण माना, वही प्रगति पथ पर आगे बढ़कर विकसित हुए हैं। विश्व में छोटे-छोटे देश जिनमे से किसी के पास खेती के लिए जमीन नहीं, पर्याप्त जल सुविधा नहीं, प्राकृतिक आपदाओं से घिरे रहते है, फिर भी वह

महाराष्ट्र राज्य में शिक्षा क्षेत्र संबंधी कुछ आपराधिक खबरें

अपने बेहतर शिक्षा प्रणाली द्वारा उन्नत तकनीक के दम पर विकसित हुए हैं। मनुष्य के संपूर्ण जीवन की आधारशिला की नींव उसकी शिक्षा पर निर्भर होती है, शिक्षा की गुणवत्ता और कौशल ही उसके भविष्य की नीति तय करती हैं। अर्थात इसका असर व्यक्ति के साथ ही उसके आने वाली पीढ़ी पर भी पढता है, जीवन के हर प्रसंग, कार्यकलापों में शिक्षा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप जरूर करती हैं।

विदेशों में सामाजिक समरसता का ज्ञान बच्चों को स्कूल में ही दिया जाता है, नन्हे विद्यार्थियों को पढाई के विविध विषयों के साथ में घर की साफ-सफाई, बड़े-बुजुर्गों की मदद करना, अपना काम स्वयं करना, घर में अभिभावकों के काम में हांथ बटाना, महिलाओं की इज्जत करना, असहाय की मदद करना, समाजकार्य करना, पौधे लगाना, पर्यावरण की रक्षा करना, हस्तकला, शिल्पकला, छोटे-मोठे उपकरण सुधारना; ऐसे अनेक विषय उन्हें व्यावहारिक तौर पर स्कूल में पढ़ाये जाते हैं। इसमें सिखाया जाता है कि, कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता, सभी काम महत्वपूर्ण और समान हैं। जिस पर उन्हें शैक्षिक अंक भी प्रदान किये जाते हैं। यह तरीका विद्यार्थियों को एक कौशलपूर्ण, विकसित, सशक्त, जिम्मेदार, संस्कारी और समझदार नागरिक बनाने पर जोर देता है, जो कि यह हर देश के लिए बहुत जरुरी हैं। जब यहां बच्चे रील देखने में सबसे ज्यादा समय गवांते है, तब वहां बच्चे किसी एक काम में व्यावसायिक तौर पर कौशलपूर्ण तरीके से पारंगत हो चुके होते हैं।

देश में अधिकतम सरकारी कर्मचारी बच्चों की पढाई के लिए महंगे निजी शिक्षा संस्थानों को प्राथमिकता देते हैं। बेहतर वेतन के बावजूद खुद सरकारी स्कूली शिक्षक अपने बच्चों को अपनी ही स्कूल में पढ़ाना पसंद नहीं करते। अधिकतम निजी स्कूलों के शिक्षक कम वेतन पर कार्यरत होकर भी बेहतर परिणाम दर्शाते है, तो सरकारी संस्थानों को क्या हो जाता हैं? केंद्रीय, नवोदय विद्यालय शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करते है, लेकिन इन स्कूलों की संख्या बहुत कम है, इनमें शिक्षक गुणवत्ता, पदभरती, कार्यकलाप अद्यावत होते है, इसके मुकाबले अनेक राज्य सरकारों की स्कूलों के हालात बुरे नजर आते हैं। ग्रामीण क्षेत्र, दुर्गम भाग, पिछड़े इलाके के सरकारी स्कूल बारिश के मौसम में सजा देनेवाले संस्था बन जाते है, बेहतर शिक्षा सुविधा मिलना तो दूर अपनी स्कूल तक पहुंचने में नन्हे छात्र कीचड़, झाड़ियां, खड्डेनुमा सड़क, कही-कही तो उफनते नदी-नाले पार करके जान जोखिम में डालकर स्कूल पहुंचते हैं। कई स्कूल खंडहर नजर आते है, आधारभूत सुविधाओं की जानकारी ही नहीं हैं। गरीबों की ऐसी खस्ता हालत की है कि, प्राथमिक स्कूल में दाखिला लेनेवाले करीब 40 प्रतिशत विद्यार्थी कक्षा 12 तक कभी पहुंचते नहीं। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2017-18 से 2022-23 के बिच देश के 92 हजार सरकारी स्कूल बंद हुए। एक लाख से ज्यादा स्कूल एक शिक्षक के भरोसे हैं। शिक्षक कभी साधारण नहीं होता। प्रलय और निर्माण उनकी गोद मे पलते हैं। शिक्षक अपने कलागुणों, ज्ञान, शिक्षा से छात्रों में नए सशक्त और विकसित समाज की नींव रखते हुए देश के भविष्य के शिल्पकार की भूमिका साकार करते हैं। शिक्षा केवल अंक, रैंक, डिग्री और रोजगार नहीं होती बल्कि चरित्र, सुजान सुसंस्कृत नागरिक, रचनात्मक, आलोचनात्मक विचार एवं सामाजिक जिम्मेदारी का अहसास भी बेहद अहम होता है, शिक्षा की यही मुख्य नैतिकता होती हैं। अगर आज शिक्षा विद्यार्थी का आकलन करके उसके कलागुणों को निखारकर योग्य कौशलपूर्ण सक्षम करके जीवन के लिए बेहतर भविष्य निर्माण करवाने में कमजोर है, तो ऐसी शिक्षा देश में केवल डिग्रीधारियों की जनसंख्या बढ़ाने का काम करेंगी, जो होता आ रहा है, नीति आयोग ने भी अभी अपनी रिपोर्ट में यही बताया कि, युवाओं के पास डिग्री है कौशल नहीं। शिक्षा को केवल बाज़ार का उत्पाद न मानकर, एक सामाजिक अधिकार और सार्वजनिक ज़िम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए।

एक नजर

4600 बस्तर फाइटर्स की भर्ती स्थानीय युवाओं के भविष्य को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक फैसला

कांकेर, 4 सितम्बर । राज्य की सभी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में सत्र 2026-27 एवं 2026-28 में उपलब्ध रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए अष्टम चरण की काउंसिलिंग के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कांकेर के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी ने बताया कि जिले की सभी 08 शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं-महिला कांकेर, बालक कांकेर, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़, चारामा, दुर्गूकोंदल, नरहरपुर और पखांजूर में संचालित विभिन्न रोजगारोन्मुखी ट्रेडों की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि 03 से 05 सितम्बर तक वेबसाइट cgiti.admissions.nic.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पूर्व के आवेदकों को अष्टम चरण के काउंसिलिंग में भाग लेने हेतु पुनः विकल्प का चयन करना अनिवार्य होगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए निकटतम शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था से सम्पर्क किया जा सकता है।

ओबीसी के लिए अलग स्पष्ट कॉलम नहीं, केंद्र की नीयत पर गंभीर सवाल : विनोद चंद्राकर

महासमुंद, 4 सितंबर। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा जनगणना-2027 में जाति की गणना शामिल करने का निर्णय लिया गया है, लेकिन जाति संबंधी जानकारी दर्ज करने की व्यवस्था में ओबीसी के लिए अलग और स्पष्ट वर्गीकरण नहीं होने पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस मुद्दे पर पूर्व संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन एवं महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने केंद्र सरकार की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा है कि केवल जाति पूछ लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ओबीसी समाज की स्पष्ट और विश्वसनीय गणना भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। श्री चंद्राकर ने कहा कि केंद्र सरकार ने आगामी जनगणना में जातिगत आंकड़े जुटाने का निर्णय लिया है, जो लंबे समय से उठ रही सामाजिक न्याय की मांग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन यदि जाति की जानकारी खुले रूप में दर्ज की जाएगी और ओबीसी के लिए स्पष्ट पृथक वर्गीकरण नहीं होगा, तो ओबीसी समाज की वास्तविक जनसंख्या के आंकड़ों को व्यवस्थित और विश्वसनीय रूप से सामने लाने में गंभीर चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।उन्होंने कहा कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में अलग-अलग जातियों, उपजातियों और स्थानीय नामों के कारण जातिगत आंकड़ों का वैज्ञानिक वर्गीकरण बेहद महत्वपूर्ण है। जब सरकार खुद जातिगत आंकड़े जुटाने जा रही है, तो ओबीसी की स्पष्ट पहचान और वर्गीकरण की व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है? केंद्र सरकार को इस सवाल का जवाब देश के पिछड़े वर्गों को देना चाहिए। श्री चंद्राकर ने कहा कि ओबीसी समाज को केवल चुनाव के समय याद करना और उसके अधिकारों के सवाल पर मौन रहना स्वीकार नहीं किया जा सकता। सामाजिक न्याय की नीतियों, आरक्षण, शिक्षा, रोजगार और सरकारी योजनाओं में प्रभावी भागीदारी के लिए यह जानना जरूरी है कि देश में विभिन्न सामाजिक वर्गों की वास्तविक जनसंख्या कितनी है।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए तृतीय काउंसलिंग 9 सितंबर तक

महासमुंद 4 सितम्बर । छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु तृतीय काउन्सलिंग की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात विभागीय वेबसाइट eklavya.cg.nic.in पर काउन्सलिंग के लिए पात्र छात्र-छात्राओं की सूची एवं निर्धारित तिथियां प्रदर्शित की गई हैं।सहायक आयुक्त आदिवासी विकास शिल्पा साय ने बताया कि प्रयास आवासीय विद्यालयों की कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए तृतीय काउन्सलिंग 3 सितंबर से 9 सितंबर 2026 तक आयोजित की जाएगी। काउन्सलिंग सूची में दर्शित छात्र-छात्राओं को आबंटित प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित तिथि पर उपस्थित होकर काउन्सलिंग प्रक्रिया में शामिल होना होगा। इसी प्रकार प्रयास बालक/कन्या आवासीय विद्यालय, जिला बीजापुर में कक्षा 9वीं सत्र 2026-27 में प्रवेश हेतु काउंसलिंग भी 3 सितंबर से 9 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। सीटें रिक्त रहने की स्थिति में प्रतीक्षा सूची के विद्यार्थियों के लिए काउन्सलिंग 10 सितंबर से 15 सितंबर 2026 तक आयोजित की जाएगी।

राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिला जेल में बंदियों का नेत्र परीक्षण

धमतरी,4 सितंबर। राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत जिले में 25 अगस्त से 08 सितम्बर तक 41 वाँ राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आज जिला जेल धमतरी के सभी बंदियों के लिए नेत्र परीक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जेल के सभी बंदियों की आँखों की बारीकी से जाँच की और उन्हें नेत्रदान के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए जागरूक किया।

बोड़गा में प्रधानमंत्री आवास योजना पर गंभीर सवाल, कांग्रेस की जांच टीम ने गांव पहुंचकर खंगाले बैंक खाते और अधूरे मकान

26 लाख का आरोप, कांग्रेस की प्रारंभिक जांच में 60 लाख तक पहुंची राशि

लाल आतंक से मिली आजादी, 'व्यवस्था की लूट' से कब मिलेगी मुक्ति

लाल आतंक से निकले आदिवासी, अब 'व्यवस्था के दानवों' ने लूटा आवास का सपना

46 लोगों का 18 लाख की राशि निकालकर कर डकार गए सचिव

पीएम आवास योजना की कथित गड़बड़ी की जांच करेंगे कांग्रेस नेता

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर,4 सितंबर। भैरमगढ़ जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत ईतामपार के आश्रित ग्राम बोड़गा में प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि को लेकर लगाए गए कथित गबन के आरोपों ने अब बड़ा रूप ले लिया है। पहले ग्रामीणों ने करीब 26 लाख रुपए की राशि लिए जाने का आरोप लगाया था, लेकिन कांग्रेस की सात सदस्यीय जांच समिति जब जमीनी पड़ताल के लिए गांव पहुंची तो शुरुआती जानकारी में कथित राशि करीब 60 लाख रुपए तक पहुंचने की बात सामने आई है। आंकड़ों में अचानक हुए इस बड़े अंतर ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। हालांकि वास्तविक राशि कितनी है और किस स्तर पर कितनी अनियमितता हुई है, इसका अंतिम खुलासा जांच रिपोर्ट के बाद ही होगा।

नदी पार कर पहुंची जांच टीम, सामने आई आवास की हकीकत

मामले की जांच के लिए बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी के नेतृत्व में सात सदस्यीय टीम बोड़गा पहुंची। लगातार बारिश के बीच जांच दल ने उफनती इंद्रावती नदी को नाव से पार किया और फिर पैदल गांव पहुंचकर हितग्राहियों से सीधे बातचीत की। जांच टीम ने कागजों के बजाय जमीन पर उतरकर आवासों की स्थिति देखी। इस दौरान कई हितग्राहियों के आवास का निर्माण शुरू तक नहीं होने की बात सामने आई, जबकि कुछ मकान केवल प्लिंथ लेवल तक बने मिले।

बैंक खाते में पैसा आया फिर किसने निकाला?

ग्रामीणों की शिकायत के मुताबिक प्रधानमंत्री आवास योजना की किस्त उनके बैंक खातों में जमा हुई। आरोप है कि इसके बाद उन्हें बैंक ले जाकर राशि निकलवाई गई और पंचायत सचिव द्वारा कथित रूप से रकम अपने पास रख ली गई। इन आरोपों के जवाब बैंक रिकॉर्ड और पंचायत के दस्तावेजों की जांच से सामने आ सकते हैं।

26 लाख से 60 लाख आखिर आंकड़ा इतना कैसे बढ़ा?

शुरुआत में ग्रामीणों ने करीब 26 लाख रुपए की राशि कथित तौर पर लिए जाने का आरोप लगाया था। अब जांच समिति के समक्ष प्रारंभिक जानकारी में यह रकम करीब 60 लाख रुपए तक पहुंचने की बात कही जा रही है। करीब 34 लाख रुपए का अंतर अपने आप में बड़ा सवाल है।

विधायक बोले—जांच आगे बढ़ी तो आंकड़ा और बढ़ सकता हैजांच समिति के संयोजक एवं बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने आरोप लगाया कि पंचायत सचिव द्वारा हितग्राहियों से प्रधानमंत्री आवास की राशि लिए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। उनके अनुसार प्रारंभिक जानकारी में करीब 60 लाख रुपए की राशि हड़पने का मामला सामने आने की बात कही जा रही है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जांच आगे बढ़ने पर कथित राशि का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

कागजों में आवास, जमीन पर अधूरा निर्माण?

प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है। लेकिन बोड़गा में यदि जांच समिति के सामने आई शुरुआती जानकारी सही साबित होती है, तो यह सवाल बेहद गंभीर हो जाता है कि हितग्राहियों के नाम पर जारी किस्तों और वास्तविक आवास निर्माण के बीच इतना बड़ा अंतर क्यों है? जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा।

अब जांच रिपोर्ट पर टिकी निगाहें

बोड़गा का मामला अब महज ग्रामीणों की शिकायत तक सीमित नहीं रहा। 26 लाख रुपए के कथित आरोप से शुरू हुई कहानी प्रारंभिक जांच में करीब 60 लाख रुपए तक पहुंचने की बात सामने आने के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर चर्चा का विषय बन गई है। अब असली तस्वीर बैंक स्टेटमेंट, पंचायत रिकॉर्ड, हितग्राहियों के बयान और आवासों की जमीनी स्थिति के मिलान से सामने आएगी।

अगर आरोप सही साबित हुए तो सरकारी आवास योजना की राशि में कथित गड़बड़ी का यह मामला बेहद गंभीर माना जाएगा। हालांकि यह आरोप और प्रारंभिक जांच की जानकारी है। अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही सामने आएगा।

बस्तर फाइटर्स में 4600 आरक्षकों की होगी भर्ती संबंधित जिले का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 4 सितंबर। बस्तर संभाग के स्थानीय युवाओं को पुलिस सेवा से जोड़ने के लिए बस्तर फाइटर्स में 4600 आरक्षकों की सीधी भर्ती की जाएगी । गृह विभाग ने भर्ती नियमावली तैयार कर ली है और पुलिस मुख्यालय जल्द ही अलग से विज्ञापन जारी करेगा। भर्ती में स्थानीय बोली जानने वाले अभ्यर्थियों को 20 बोनस अंक दिए जाएंगे और स्थानीय महिलाओं को 30 प्रतिशत, तीन वर्ष की सेवा पूरी कर चुके होमगार्ड्स को 25 प्रतिशत और पूर्व सैनिकों को 10 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। चयनित जवानों को एनपीएस या यूपीएस में से किसी एक पेंशन योजना का विकल्प भी दिया जाएगा। संबंधित जिले का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य होगा।पीएचक्यू से मिली जानकारी के अनुसार सामान्य वर्ग के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास रखी गई है, जबकि एसटी वर्ग के अभ्यर्थी पांचवीं पास होने पर भी पात्र होंगे। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों के माओवाद पीड़ित परिवारों और राहत शिविरों में रहने वाले परिवारों के सभी वर्ग के अभ्यर्थियों को पांचवीं पास पर आवेदन का अवसर मिलेगा।आयु सीमा 18 से 28 वर्ष होगी। एससी, एसटी और ओबीसी को पांच वर्ष की छूट मिलेगी। महिलाओं, पूर्व सैनिकों, नगर सैनिकों और संविदा कर्मचारियों को नियमानुसार अतिरिक्त छूट दी जाएगी। चयन प्रक्रिया में 100 अंकों की शारीरिक दक्षता परीक्षा होगी। इसमें लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक और 100 व 800 मीटर दौड़ शामिल होगी। सामान्य वर्ग को न्यूनतम 60 प्रतिशत तथा एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को 50 प्रतिशत अंक हासिल करने होंगे। इसके आधार पर लिखित परीक्षा के लिए मेरिट तैयार होगी। 100 अंकों की लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान, बुद्धि-विवेक, स्थानीय भूगोल-संस्कृति और अंकगणित से प्रश्न पूछे जाएंगे। इसके बाद तीन गुना अभ्यर्थियों का 20 अंकों का साक्षात्कार होगा।

जागरूक मतदाता ही मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला

एनएमडीसी डीएवी आईटीआई भांसी में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली, 4 अगस्त। कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दंतेवाड़ा से प्राप्त निर्देशानुसार एनएमडीसी डीएवी आईटीआई भांसी में लोकतांत्रिक मूल्यों एवं मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 1 व 2 सितम्बर 2026 को किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के प्रशिक्षुओं, अनुदेशकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को मतदान के महत्व, मतदाता के अधिकार एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में युवाओं की भूमिका के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षुओं को प्रेरित किया गया कि वे स्वयं मतदान के प्रति जागरूक रहें तथा अपने

परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। मतदाता जागरूकता का संदेश प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से संस्थान में विभिन्न रचनात्मक एवं जागरूकता आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें रंगोली प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता प्रमुख रहे। प्रशिक्षुओं ने इन प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मतदान, लोकतंत्र एवं नागरिक जिम्मेदारियों से संबंधित विषयों पर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रशिक्षुओं ने मेरा वोट, मेरा अधिकार जागरूक मतदाता-मजबूत लोकतंत्र जैसे संदेशों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। संस्थान के प्राचार्य कमलेश साहू ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक की मतदान प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। युवा वर्ग समाज में जागरूकता का प्रभावी संदेशवाहक बन सकता है। उन्होंने सभी पात्र प्रशिक्षुओं एवं कर्मचारियों से अपने मताधिकार का जिम्मेदारी पूर्वक प्रयोग करने तथा अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।इस कार्यक्रम का संचालन अमित कुमार श्रीवास्तव (बीएलओ) एवं समस्त अनुदेशको के द्वारा किया गया द्य कार्यक्रम के अंत में उपस्थित प्रशिक्षुओं एवं कर्मचारियों ने मतदाता जागरूकता की शपथ लेते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा अधिक से अधिक लोगों तक मतदान जागरूकता का संदेश पहुंचाने का संकल्प लिया। एनएमडीसी डीएवी आईटीआई भांसी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम प्रशिक्षुओं में जिम्मेदार नागरिकता, लोकतांत्रिक चेतना एवं सामाजिक सहभागिता की भावना विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

सेवानिवृत्त व्याख्याता एवं प्रधान पाठक को कलेक्टर विश्वदीप ने दी शुभकामनाएं

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 4 सितम्बर। जिले में लंबे समय तक शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं देने वाले व्याख्याता लम्बाड़ी धनन्जय एवं प्रधान पाठक काका शेसाराव के सेवानिवृत्त होने पर कलेक्टर विश्वदीप ने उन्हें सम्मानित कर स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर ने दोनों सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा पेंशन प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने दोनों सेवानिवृत्त शिक्षकों से उनके सेवाकाल और कार्यानुभव के संबंध में जानकारी ली तथा शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की।

'शिक्षकों की भूमिका केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं'

कलेक्टर विश्वदीप ने कहा कि

शासकीय सेवा के दौरान शिक्षक विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व निर्माण और भविष्य को दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक का योगदान केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव समाज की अगली पीढ़ी पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति शासकीय सेवा का एक पड़ाव मात्र है। सेवाकाल के दौरान अर्जित अनुभव और ज्ञान समाज एवं शिक्षा के क्षेत्र में आगे भी उपयोगी साबित हो सकता है।

सम्मान के लिए जताया आभार

सम्मान प्राप्त करने के बाद सेवानिवृत्त व्याख्याता लम्बाड़ी धनंजय एवं प्रधान पाठक काका शेसाराव ने सम्मान एवं शुभकामनाओं के लिए कलेक्टर विश्वदीप के प्रति आभार व्यक्त किया।

निष्ठापूर्वक सेवाओं के लिए दी बधाई

कलेक्टर ने दोनों कर्मचारियों को लंबे समय तक पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ शासकीय दायित्वों का निर्वहन करने के लिए बधाई दी।

उन्होंने कहा कि वर्षों तक शिक्षा के क्षेत्र में सेवाएं देना और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में योगदान देना निश्चित रूप से सराहनीय है। उन्होंने दोनों के स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए परिवार के साथ शांतिपूर्ण एवं खुशहाल जीवन व्यतीत करने की शुभकामनाएं दीं।

बस्तर के युवाओं का हक छीनने वाली कांग्रेस को साय सरकार ने दिखाया आईना: रामू नेताम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गीदम, 4 सितंबर। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री एवं मीडिया पैनलिस्ट रामू नेताम ने बस्तर फाइटर्स में 4600 आरक्षकों की सीधी भर्ती के निर्णय का जोरदार स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और भाजपा सरकार का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि साय सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि बस्तर के युवाओं के अधिकार और रोजगार की चिंता भाजपा ही करती है।

रामू नेताम ने कहा कि बस्तर फाइटर्स की भर्ती में संबंधित जिले के स्थानीय निवासी होना अनिवार्य किया जाना कांग्रेस की उस राजनीति का करारा जवाब है, जिसमें बस्तर के युवाओं के अधिकारों को

कमजोर किया गया। स्थानीय बोली जानने वाले अभ्यर्थियों को 20 बोनस अंक, स्थानीय महिलाओं को 30 प्रतिशत, तीन वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके होमगार्ड्स को 25 प्रतिशत और पूर्व सैनिकों को 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान सरकार की स्थानीय हितों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।उन्होंने कहा कि 4600 पद सिर्फ आंकड़ा नहीं, बल्कि बस्तर के हजारों परिवारों के सपनों, उम्मीदों और युवाओं के भविष्य से जुड़ा अवसर है। चयनित जवानों को एनपीएस अथवा यूपीएस में से किसी एक पेंशन योजना का विकल्प देना भी कर्मचारी हित में महत्वपूर्ण निर्णय है।

रामू नेताम ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में बस्तर के स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने वाली व्यवस्था को कमजोर किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने बस्तर के युवाओं के हितों की अनदेखी की और ऐसे व्यक्ति को आयोग का अध्यक्ष बनाया, जिसने स्थानीय आरक्षण और प्राथमिकता का विरोध किया था।उन्होंने कहा, कांग्रेस ने बस्तर के युवाओं के अधिकारों पर कैंची चलाई, जबकि भाजपा की विष्णुदेव साय सरकार ने उसी अधिकार को मजबूती के साथ वापस स्थापित किया है। कांग्रेस को बताना चाहिए कि आखिर उसे बस्तर के स्थानीय युवाओं से इतनी परेशानी क्यों थी?÷नेताम ने कहा कि कांग्रेस के शासन में बस्तर के युवाओं को अवसरों से दूर करने की कोशिश हुई, लेकिन भाजपा सरकार ने सत्ता में आते ही अपनी प्राथमिकता स्पष्ट कर दी। बस्तर में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता मिलेगी और क्षेत्र के युवा ही बस्तर की सुरक्षा व्यवस्था की मजबूत कड़ी बनेंगे।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार का यह फैसला बस्तर के लिए, बस्तर के युवाओं के लिए और बस्तर के भविष्य के लिए÷ है। भाजपा सरकार विकास के साथ-साथ स्थानीय युवाओं को सम्मानजनक रोजगार और बेहतर अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है।रामू नेताम ने कहा कि कांग्रेस चाहे जितना राजनीतिक भ्रम फैलाए, बस्तर की जनता अब काम और फैसलों का अंतर साफ देख रही है।

समाचार संक्षेप

सिकल सेल प्रभावित बच्चों और परिवारों को मिला सहयोग व परामर्श

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 4 सितंबर। सिकल सेल रोग से प्रभावित बच्चों एवं उनके परिवारों को जागरूक करने और उन्हें नियमित उपचार से जोड़ने के उद्देश्य से जिला स्वास्थ्य समिति, बीजापुर द्वारा यूनिसेफ छत्तीसगढ़ एवं एकम फाउंडेशन के तकनीकी सहयोग से मुख्य कार्यपालन अधिकारी कार्यालय में रोगी सहायता समूह की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिकल सेल रोग से प्रभावित बच्चों, उनके अभिभावकों सहित स्वास्थ्य विभाग, यूनिसेफ, एकम फाउंडेशन एवं अन्य हितधारकों के करीब 130 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।कार्यक्रम में सिकल सेल रोग की जानकारी, नियमित जांच एवं उपचार, पोषण, टीकाकरण, दवा प्रबंधन और जटिलताओं से बचाव के उपायों पर चर्चा की गई। अभिभावकों ने बच्चों के स्वास्थ्य और उपचार से जुड़ी अपनी समस्याएं एवं अनुभव साझा किए, जिनका विशेषज्ञों ने समाधान बताया।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.आर. पुजारी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए समय पर जांच, संक्रमण से बचाव, संतुलित पोषण, दवाओं के नियमित सेवन और लगातार फॉलो-अप के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने प्रभावित परिवारों से स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का नियमित लाभ लेने की अपील की। विशेषज्ञों ने बताया कि सिकल सेल रोग की रोकथाम में जागरूकता की महत्वपूर्ण भूमिका है। विवाह पूर्व सिकल सेल जांच भविष्य की पीढ़ियों में इस रोग के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकती है। बैठक में दर्द एवं संक्रमण से बचाव, टीकाकरण, आवश्यक लैब जांच, नियमित फॉलो-अप, दवाओं की उपलब्धता तथा उपचार एवं रेफरल सेवाओं की जानकारी भी दी गई। बच्चों और अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विशेषज्ञों ने संवाद के माध्यम से समाधान किया।कार्यक्रम में डॉ. वरुण कुमार साहू, डॉ. समीरानंदन रेड्डी, मानसी टटपल्ली, बी.के. साहू, अनिल कावरे सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं यूनिसेफ के डॉ. श्वेताभ त्रिपाठी, डॉ. वल्लभ ठक्कर एवं डॉ. गजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में यूनिसेफ टीम और एकम फाउंडेशन ने कार्यक्रम के आयोजन एवं तकनीकी मार्गदर्शन में सहयोग किया

जल जीवन मिशन के तहत नल जल मित्र प्रशिक्षण के लिए हितग्राहियों को किया गया प्रेरित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 4 सितम्बर। जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्य पूर्ण ग्रामों में नल जल व्यवस्था के सुचारू संचालन एवं रखरखाव को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्राम सचिवों एवं इच्छुक हितग्राहियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बीजापुर के मार्गदर्शन में बीजापुर, भैरमगढ़, भोपालपटनम एवं उसूर जनपद पंचायतों में आयोजित की गई।बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा नल जल मित्र की कार्यप्रणाली, उनकी भूमिका एवं प्रशिक्षण के महत्व के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही लाइवलीहुड कॉलेज के प्राचार्य द्वारा नल जल मित्र के लिए संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी प्रदान करते हुए इच्छुक हितग्राहियों को प्रशिक्षण के लिए प्रेरित किया गया।इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल होने के इच्छुक हितग्राहियों से आवेदन प्रपत्र भी भरवाए गए। नल जल मित्रों के प्रशिक्षण से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल योजनाओं के संचालन, रखरखाव एवं छोटी-मोटी तकनीकी समस्याओं के स्थानीय स्तर पर समाधान में मदद मिलेगी।

लोगों को ठगी से बचाने गांव-गांव में चलाया जा रहा 'साइबर जागृति' अभियान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 4 सितंबर। डिजिटल दौर में बढ़ते साइबर अपराधों के बीच बीजापुर पुलिस ने अब गांव से लेकर स्कूल तक साइबर जागरूकता की मुहिम तेज कर दी है। 'साइबर जागृति अभियान' के तहत पुलिस की टीमें जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पहुंचकर ग्रामीणों और विद्यार्थियों को साइबर ठगी के नए-नए तरीकों से अवगत करा रही हैं। अभियान के दौरान पुलिस ने साफ किया कि एक OTP, एक क्लिक या एक गलत लिंक लोगों की मेहनत की कमाई पर भारी पड़ सकता है। ऐसे में सतर्कता ही साइबर ठगी से बचाव का सबसे बड़ा हथियार है।

नदी पार बेलनार पहुंची पुलिस

थाना नेलसनार क्षेत्र से करीब 10 किलोमीटर दूर

नदी के उस पार स्थित ग्राम बेलनार में पुलिस ने साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। ग्रामीणों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक और डिजिटल लेन-देन में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई।पुलिस ने ग्रामीणों को समझाया कि अनजान व्यक्ति के कहने पर बैंकिंग जानकारी साझा करना या किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करना भारी नुकसान का कारण बन सकता है।

सारकेगुड़ा में गूंजा 1930 का संदेश

थाना बासागुड़ा क्षेत्र के सारकेगुड़ा में भी ग्रामीणों को साइबर अपराध से बचने के उपाय बताए गए। पुलिस ने विशेष रूप से ह्लझ्रक्रसाझा नहीं करने, अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने और संदिग्ध कॉल से सावधान रहने की समझाइश दी। साथ ही साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत करने की जानकारी दी गई।

बीजापुर में 120 विद्यार्थियों ने जाना थाने का कामकाज

थाना बीजापुर में सामुदायिक पुलिसिंग, नवीन आपराधिक कानून और यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। शासकीय हाई स्कूल बीजापुर के करीब 120 विद्यार्थियों को थाना भ्रमण कराया गया। विद्यार्थियों को स्न्ढ्ढक्र दर्ज करने की प्रक्रिया, थाने के दैनिक कामकाज, मालखाना और शस्त्रागार की जानकारी देने के साथ साइबर फ्रॉड और यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

आवापल्ली में थाने के साथ 'साइबर क्लास' भी

थाना आवापल्ली में स्वामी आत्मानंद स्कूल के छात्र-छात्राओं को थाना भ्रमण कराया गया। यहां विद्यार्थियों को साइबर फ्रॉड से बचाव के साथ स्न्ढ्ढक्र प्रक्रिया, डायल-112, ष्टष्टञ्जहस्, महिला एवं बाल सहायता डेस्क और यातायात नियमों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को ब्रेथ एनालाइजर का प्रदर्शन भी कराया गया। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों, चालान दर और दुर्घटना पीड़ितों को प्राथमिक उपचार की जानकारी भी दी गई।

एक नजर

आईटीआई खरसिया में रिक्त सीटों के लिए 5 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

रायगढ़, 4 सितम्बर। संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण, नवा रायपुर द्वारा अष्टम चरण की काउंसिलिंग का शेड्यूल जारी किया गया है। इसके तहत शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, खरसिया, जिला रायगढ़ में सत्र 2026-27 एवं 2026-28 के लिए रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया आयोजित की जा रही है।

आईटीआई खरसिया में फिटर, सेविंग टेक्नालॉजी, वेल्डर एवं कोपा व्यवसाय में सीटें रिक्त हैं। इन सीटों पर प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 5 सितंबर 2026 की रात्रि 11.59 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थी cgiti.admission.nic.in वेबसाइट के माध्यम से स्वयं आवेदन कर सकते हैं अथवा निकटतम चॉइस सेंटर से आवेदन कराया जा सकता है। अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पहले वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश संबंधी दिशा-निर्देशों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करने की सलाह दी गई है। किसी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए शासकीय आईटीआई खरसिया से अथवा वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से संपर्क किया जा सकता है।प्रवेश के समय अभ्यर्थी को 10वीं की अंकसूची, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, स्थानांतरण प्रमाण पत्र तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो की छायाप्रति प्रस्तुत करनी होगी। पूर्व में आवेदन कर चुके अभ्यर्थी भी अपने लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड से लॉगिन कर अगले चरण में शामिल होने के लिए सहमति दे सकते हैं तथा अपनी चॉइस में आवश्यक परिवर्तन कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया शासन द्वारा निर्धारित काउंसिलिंग कार्यचरण के अनुसार पूरी की जाएगी। अभ्यर्थियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की गई है।

टीबी मरीजों को किया गया फूड बास्केट वितरित

रायगढ़, 4 सितम्बर । प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में उपचाररत टीबी मरीजों को बेहतर पोषण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकासखंड खरसिया के 50 टीबी मरीजों को सिविल अस्पताल खरसिया में फूड बास्केट वितरित किए गए। साथ ही मरीजों को नियमित दवा सेवन के साथ पौष्टिक आहार लेने के लिए भी जागरूक किया गया।कलेक्टर के निर्देशन तथा सीएमएचओ डॉ. अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। टीबी से उपचाररत मरीजों के लिए दवाओं का नियमित सेवन जितना जरूरी है, उतना ही महत्वपूर्ण पर्याप्त एवं पौष्टिक आहार लेना भी है। इसी उद्देश्य से फूड बास्केट का वितरण किया गया, ताकि मरीजों को उपचार के दौरान अतिरिक्त पोषण मिल सके और वे जल्द स्वस्थ होकर सामान्य जीवन की ओर लौट सकें। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से मरीजों को टीबी की दवा नियमित रूप से लेने, उपचार अवधि पूरी करने तथा पौष्टिक भोजन को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही टीबी मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों को पूरा करने में समाज और निजी संस्थाओं की भागीदारी के महत्व पर भी जोर दिया गया।

दिव्यांगजन छात्रवृत्ति के लिए 30 सितंबर तक करें ऑनलाइन आवेदन

रायगढ़, 4 सितम्बर । जिले में दिव्यांगजन छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना का लाभ दिलाने के लिए आवेदन प्रक्रिया अब नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से ऑनलाइन की जा रही है। पात्र दिव्यांग विद्यार्थी निर्धारित समय-सीमा में आवेदन कर छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई है।समाज कल्याण संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा दिव्यांगजन छात्रवृत्ति योजना को भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के एनएसपी पोर्टल पर ऑनबोर्ड किया गया है। पोर्टल के माध्यम से आवेदन से लेकर छात्रवृत्ति भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन संपादित की जाएगी।दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए एनएसपी पोर्टल पर आवेदन की सुविधा 7 जुलाई 2026 से उपलब्ध है। पात्र विद्यार्थी 30 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिले में जिला शिक्षा अधिकारी रायगढ़ के अधीनस्थ विद्यालयों में नियमित अध्ययनरत दिव्यांग छात्र-छात्राओं से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की गई है, ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी योजना के लाभ से वंचित न रहे।दो स्तर पर होगी आवेदनों की जांचप्राप्त आवेदनों की जांच दो स्तरों पर की जाएगी। प्रथम स्तर पर संबंधित विद्यालय अथवा संस्था द्वारा आवेदनों का सत्यापन किया जाएगा।

गांव के अन्य किसान भी हुए प्रेरित

धान से गेंदा की खेती की ओर बढ़े आनंद राम 0.400 हेक्टेयर में कमाए 3.96 लाख रुपए

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 4 सितम्बर। धान की खेती करने वाले किसान श्री आनंद राम ने उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन और एनएचएम गेंदा क्षेत्र विस्तार योजना का लाभ लेते हुए 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में गेंदा फूल की खेती की। इससे उन्हें लगभग 44 क्विंटल गेंदा फूल का उत्पादन प्राप्त हुआ और बिक्री से 3 लाख 96 हजार रुपये की आय हुई।

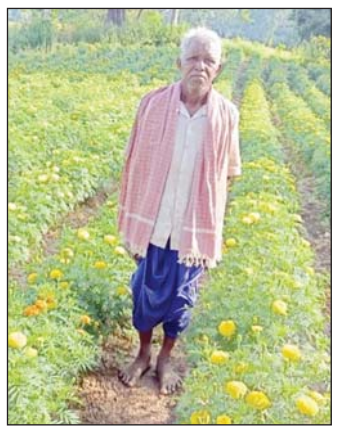

लैलूंगा विकासखण्ड के ग्राम-कोड़केल निवासी किसान श्री आनंद राम सिदार पहले अपने खेत में धान की खेती करते थे। 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में धान से उन्हें लगभग 10 क्विंटल उत्पादन प्राप्त होता था, जिसे बेचने पर करीब 31 हजार रुपये की आय होती थी। विभिन्न लागतों को घटाने के बाद उनका कुल लाभ लगभग 22 हजार रुपये रहता था। वर्ष 2025-26 में उद्यानिकी विभाग द्वारा किसान को गेंदा फूल की खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया। विभाग की आवश्यक तकनीकी जानकारी और मार्गदर्शन के आधार पर किसान ने अपने 0.400 हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र में गेंदा की खेती की। बेहतर प्रबंधन एवं देखरेख के परिणामस्वरूप उन्हें लगभग 44 क्विंटल गेंदा फूल का उत्पादन प्राप्त हुआ। उत्पाद की बिक्री से उन्हें 3 लाख 96 हजार रुपये प्राप्त हुए।

लागत के बाद भी 3.41 लाख रुपये का लाभ

गेंदा की खेती में किसान को इनपुट लागत के रूप में लगभग 20 हजार रुपये, श्रमिक लागत 20 हजार रुपये तथा अन्य खर्च के रूप में करीब 15 हजार रुपये व्यय करना पड़ा। इस प्रकार कुल लागत लगभग 55 हजार रुपये रही। कुल बिक्री आय में से लागत घटाने के बाद किसान को लगभग 3 लाख 41 हजार रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। इस प्रकार परंपरागत धान की खेती से प्राप्त लगभग 22 हजार रुपये के लाभ की तुलना में गेंदा फूल की खेती से किसान की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

दूसरे किसानों के लिए भी बना प्रेरणा का माध्यम

किसान आनंद राम सिदार की गेंदा खेती की सफलता को देखकर गांव के अन्य किसान भी प्रभावित हुए हैं। किसानों में अब पारंपरिक फसलों के साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाने और अपनी आय बढ़ाने के प्रति रुचि बढ़ी है। कई किसान भविष्य में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत गेंदा क्षेत्र विस्तार जैसी योजनाओं का लाभ लेने के इच्छुक हैं। अधिकारियो ने बताया कि विभागीय योजनाओं का लाभ लेकर, तकनीकी मार्गदर्शन के साथ पारंपरिक खेती में विविधता लाकर किसान अपनी आमदनी में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

मातृ एवं शिशु कल्याण योजनाओं का लाभ हर पात्र हितग्राही तक पहुंचाना सुनिश्चित करें:कलेक्टर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 4 सितम्बर। जिले में मातृ एवं शिशु कल्याण से संबंधित शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक लेकर शिविरों के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि शिविरों में ई-केवाईसी, आधार निर्माण एवं सत्यापन, जन्म प्रमाण पत्र, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य जांच तथा आभा आईडी निर्माण जैसी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़ा जाए। इसके लिए महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (वीएचएसएनडी) को अधिक प्रभावी बनाने तथा मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना के तहत गंभीर एवं अति कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें स्वास्थ्य परीक्षण, विशेषज्ञ परामर्श एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पोषण ट्रैकर के माध्यम से बच्चों की नियमित ग्रोथ मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया, ताकि कुपोषण, दुबलापन एवं कम वजन जैसी समस्याओं की समय रहते पहचान की जा सके। बैठक में नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, महतारी वंदन योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने के साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाओं के रिक्त पदों की पूर्ति, टीएचआर एवं हॉट कुक्ड मील वितरण और निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने रेडी टू ईट निर्माण इकाई के संचालन, आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल, बिजली एवं शौचालय सहित मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा करते हुए बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा मौसमी बीमारियों को ध्यान में रखकर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जिले में 2709 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। महतारी वंदन योजना के तहत 2 लाख 95 हजार 88 हितग्राहियों का ई-केवाईसी पूर्ण किया जा चुका है। टीएचआर के माध्यम से 44 हजार 57 तथा हॉट कुक्ड मील के तहत 34 हजार 769 बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत 4 हजार से अधिक महिलाओं का पंजीयन किया गया है। बैठक में अपर कलेक्टर डॉ. प्रियंका वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अरूण पाण्डेय, सीडीपीओ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दिव्यांग एवं वरिष्ठजन के लिए 16 सितंबर को निःशुल्क सहायक उपकरण मूल्यांकन शिविर

रायगढ़, 4 सितम्बर । दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रायगढ़ जिले में 16 सितंबर को मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया जाएगा। भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), जबलपुर द्वारा आयोजित इस शिविर में पात्र दिव्यांगजन एवं वरिष्ठजन उपस्थित होकर अपने लिए आवश्यक सहायक उपकरणों का मूल्यांकन करा सकेंगे।

समाज कल्याण विभाग के उप संचालक ने बताया कि यह शिविर एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एलआईसी) की निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) योजना के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। शिविर का आयोजन जतन केंद्र परिसर, जिला पंचायत के सामने, रायगढ़ में 16 सितंबर को सुबह 11 बजे से किया जाएगा। इसमें रायगढ़ सहित पुसौर, घरघोड़ा, तमनार, लैलूंगा, खरसिया एवं धरमजयगढ़ जनपद पंचायत क्षेत्र के पात्र हितग्राही शामिल हो सकेंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध:ओपी चौधरी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 4 सितम्बर । वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने आज रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। ग्रामीणों की आवश्यकताओं और मांगों को प्राथमिकता देते हुए गांवों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने ग्राम घुटकूपाली में 15 लाख रुपए की लागत से प्राथमिक शाला भवन निर्माण तथा 7 लाख 60 हजार रुपए की लागत से पंचायत भवन के जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा एवं पंचायत स्तर की अधोसंरचना को मजबूत करने से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को नई गति मिलेगी। ग्राम पंचायत छपोरा में वित्त मंत्री श्री चौधरी ने 10 लाख रुपए की लागत से निर्मित शेड का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने 1.13 लाख रुपए की लागत से आरसीसी पानी टंकी निर्माण, 31.55 लाख रुपए की लागत से मंगल भवन तथा 14.35 लाख रुपए की लागत से आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसी क्रम में ग्राम कांदागढ़ में उन्होंने 15 लाख रुपए की लागत से माध्यमिक शाला के अतिरिक्त कक्ष तथा 13.64 लाख रुपए की लागत से सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों को विकास कार्यों की सौगात मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पुसौर जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमलता हरिशंकर चौहान, जिला पंचायत सदस्य श्री ब्रजेश गुप्ता, जैमिनी गुप्ता सहित गणमान्य नागरिक, ग्राम के सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र हितग्राहियों से योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य विकास की योजनाओं का लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, पेयजल, सामाजिक एवं सांस्कृतिक सुविधाओं सहित अन्य आधारभूत संरचनाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र में अनेक छोटे-बड़े विकास कार्य प्राथमिकता के साथ संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यों का उद्देश्य आमजन की सुविधाओं का विस्तार करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से और अधिक सशक्त रूप से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि जनता की जरूरतों और मांगों के अनुरूप विकास कार्यों को गति देना सरकार की प्राथमिकता है और ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए यह प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वीकृत एवं संचालित सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित एवं सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

41 वें चक्रधर समारोह में सुप्रसिद्ध कलाकार बिखरेंगे सुर और संस्कृति के रंग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 4 सितम्बर। महाराजा चक्रधर सिंह की कला-साधना और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समर्पित 41 वें अंतर्राष्ट्रीय चक्रधर समारोह-2026 का भव्य आयोजन 14 से 23 सितम्बर तक रामलीला मैदान, रायगढ़ में होगा। स्थानीय प्रतिभाओं से लेकर देश-प्रदेश के सुप्रसिद्ध और नामचीन कलाकारों से सजे इस सांस्कृतिक महाकुंभ में दस दिनों तक सुर, ताल और नृत्य की अनूठी महफिल सजेगी। शास्त्रीय नृत्य की विविध विधाओं, छत्तीसगढ़ी लोककला, पंडवानी, लोकसंगीत, कबीर भजन, गजल और वाद्य प्रस्तुतियों के जरिए भारतीय कला एवं संस्कृति के अनेक रंग दर्शकों के सामने जीवंत होंगे।

संस्कृति विभाग, पर्यटन मंडल एवं जनसहयोग से जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित समारोह में पद्मश्री सम्मानित कलाकारों के साथ इंडियन आइडल फेम कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे। प्रतिदिन शाम 6 बजे से शुरू होने वाली सांस्कृतिक संध्याओं में हर दिन कला की एक नई विधा और नया रंग देखने को मिलेगा, जबकि 23 सितम्बर को पद्मश्री सम्मानित सुप्रसिद्ध गायिका कविता कृष्णमूर्ति की सुरमयी प्रस्तुति के साथ समारोह का भव्य समापन होगा। समारोह का शुभारंभ 14 सितम्बर को श्री वेदमणि सिंह

ठाकुर के शिष्यों द्वारा गणेश वंदना की प्रस्तुति से होगा। इसके बाद पद्मश्री सम्मानित श्री अनुज शर्मा लोक कला एवं संगीत तथा पद्मश्री सम्मानित डॉ. उषा बारले पंडवानी की प्रस्तुति देंगी।

सांस्कृतिक संध्या समारोह में अगले दिन 15 सितम्बर को निशित गंगानी-तबला वादन, टी. लक्ष्मी रेड्डी कुचिपुड़ी, स्टार्क सोसाइटी बाड़मेर द्वारा राजस्थानी फोक, तरुणा साहू एवं समूह द्वारा पंडवानी तथा माधवरस बैंड द्वारा भजन गायन की प्रस्तुति दी जाएगी। 16 सितम्बर को छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति के साथ शास्त्रीय नृत्य की खूबसूरत झलक देखने को मिलेगी। जिसमें मौमाला नायक द्वारा कथक, भूपेन्द्र साहू एवं समूह द्वारा छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य, डॉ. यास्मीन सिंह एवं समूह तथा सुश्री विभूति शर्मा द्वारा कथक और पायल साहू एवं समूह द्वारा लोक कला की प्रस्तुति होगी। 17 सितम्बर को बादल-बस्तर अकादमी ऑफ डांस, आर्ट्स एवं लिटरेचर द्वारा लोक कला एवं संगीत, मधुमिता रॉय मिश्रा द्वारा कथक, जान्हवी बेहरा द्वारा ओडिसी, शिवरंजनी हरीश एवं श्री विद्या शैलेश द्वारा भरतनाट्यम तथा शिव शक्ति कला संस्थान द्वारा कथक की प्रस्तुति दी जाएगी। 18 सितम्बर को डॉ. मंजू इलंगबम द्वारा मणिपुरी, पद्मश्री सम्मानित श्री भारती बंधु द्वारा कबीर भजन, श्वेता नायक एवं समूह द्वारा कुचिपुड़ी तथा श्री अनुराग शर्मा द्वारा लोक संगीत की प्रस्तुति होगी।19 सितम्बर को काव्य और नृत्य की यह शाम कला प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण रहेगी। जिसमें गौरी शंकर दाश द्वारा ओडिसी, पद्मश्री सम्मानित श्री सुरेन्द्र शर्मा एवं अन्य कलाकारों द्वारा काव्य संध्या तथा रीला होता द्वारा ओडिसी नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। 20 सितम्बर को श्री बी. साहू एवं समूह द्वारा गोटीपुआ, अमित साना-इंडियन आइडल फेम द्वारा गायन तथा पद्मश्री सम्मानित रामलाल बरेठ के निर्देशन में भूपेन्द्र बरेठ एवं समूह द्वारा कथक नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। इस दिन लोकनृत्य, गायन और शास्त्रीय नृत्य का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। 21 सितम्बर को श्री रूद्रशंकर सिन्हा द्वारा बनारस घराने का कथक, श्री सोनू गुप्ता एवं समूह द्वारा लोकगीत, वांसती वैष्णव एवं समूह द्वारा कथक, त्रिवेणी संगम द्वारा संतूर-पखावज-तबला वादन, संस्कार कला संघ द्वारा नृत्य नाटिका तथा नृत्यांजलि द्वारा बनारस घराने के कथक की प्रस्तुति दी जाएगी। 22 सितम्बर को गुरु कोट्टक्कल नंदकुमारन नायर द्वारा कथकली, सुश्री दीक्षा रथ द्वारा ओडिसी नृत्य, प्रो. डॉ. लवली शर्मा द्वारा सितार वादन, श्री पुनरिक साहू-लहरंगगा द्वारा लोक संगीत तथा रायगढ़ के राकेश शर्मा द्वारा सूफी गायन एवं गजल की प्रस्तुति होगी। समारोह की यह शाम शास्त्रीय नृत्य, वाद्य संगीत और सूफियाना अंदाज से सजेगी। समारोह के अंतिम दिन 23 सितम्बर को पद्मश्री सम्मानित प्रसिद्ध गायिका कविता कृष्णमूर्ति अपनी सुरमयी संगीत प्रस्तुति देंगी।

समाचार संक्षेप

स्वामी आत्मानंद स्कूल खल्लारी में मनाया गया संस्कृत दिवस

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा,4 सितंबर। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय खलारी में संस्कृत दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य एस. जॉनसन ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति अभिरुचि पैदा करना है। उन्होंने कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है और भारत की सबसे प्राचीन भाषा है। यह केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारे ज्ञान-विज्ञान का अक्षय भंडार है। ऋषि-मुनियों ने समस्त प्राचीन ग्रंथों, चारों वेदों, पुराणों, रामायण और महाभारत जैसे सभी पौराणिक ग्रंथों की रचना संस्कृत भाषा में ही की थी। पूर्व काल में हमारे देश में आम बोलचाल की भाषा भी संस्कृत ही थी।कार्यक्रम का शुभारंभ कक्षा 10वीं की छात्रा कल्पना एवं जीर्पिया द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत और सरस्वती वंदना से हुआ। उनकी सुमधुर प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया।कार्यक्रम में संस्कृत व्याख्याता एस. उर्वशा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत भाषा आज के आधुनिक युग में भी अत्यंत उपयोगी है। संस्कृत भाषा ही हमारी संस्कृति की रक्षा करती है। उन्होंने कहा कि संस्कृत विश्व की सबसे वैज्ञानिक भाषा है। कंप्यूटर के लिए सबसे उपयुक्त भाषा के रूप में भी संस्कृत को माना गया है।उन्होंने बताया कि संस्कृत को ÷देवभाषा÷ भी कहा जाता है। 21 जून की तरह ही श्रावण पूर्णिमा के दिन संस्कृत दिवस मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 1969 में हुई थी। भारत ही नहीं, बल्कि जर्मनी में 14 विश्वविद्यालयों में संस्कृत पढ़ाई जाती है और नासा के वैज्ञानिकों ने भी माना है कि संस्कृत में शब्दों का खजाना है जो अंतरिक्ष विज्ञान के लिए उपयोगी है।कार्यक्रम का कुशल संचालन संस्कृत व्याख्याता संजय कुमार खरे ने किया।इस अवसर पर भूमिका पाटिल , जी.एस. कोर्राम, बी.आर. रावटे, पी.के. शुक्ला, बी. खोब्रागढ़े, एस. यादव, चंद्राकर, जे.के. अमरिया, धर्मेन्द्र , श्रवण, विकास साहू, धर्मेन्द्र चतुर्वेदी, यामिनी साहू सहित समस्त शिक्षक गण, कर्मचारीगण एवं विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

राज्य अधिवेशन उदय में अमर लालवानी का प्रशस्तिपत्र देकर सम्मान किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा,4 सितंबर। महावीर इंटरकॉन्टिनेंटल द्वारा आयोजित राज्य अधिवेशन उदय 2026 का भव्य आयोजन केवल्य धाम, कुम्हारी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से गौ सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए दल्लीराजहरा के *वीर अमर लालवानी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ दिव्यांग विकास निगम के अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) वीर लोकेश कावड़िया और (MISO) एमआईएसओ प्रदेश अध्यक्ष एवं सम्मेलन अध्यक्ष वीर राजेन्द्र जैन एवं संस्था के सदस्य वीर स्वाधीन जैन के करकमलों से प्रदान किया गया।अमर लालवानी जी द्वारा लगातार अपने क्षेत्र एवं आसपास के क्षेत्रों में दिन हो या रात, गौ सेवा के लिए सदैव निस्वार्थ भाव से तत्पर रहते हैं। चाहे घायल गौवंश का इलाज कराना हो, भूखे गौवंश को चारा-पानी की व्यवस्था करना हो या सड़क पर बैठे गौवंश को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना हो, वे अपनी टीम के साथ हर समय सेवा में लगे रहते हैं। उनकी इसी निस्वार्थ गौ सेवा, समर्पण और मानवता भरे कार्यों को देखते हुए उन्हें व उनकी टीम को यह विशेष सम्मान प्राप्त हुआ है।आयोजकों ने कहा कि आज के समय में जब लोग अपने कार्यों में व्यस्त हैं, ऐसे में अमर लालवानी जी द्वारा गौ माता की निस्वार्थ सेवा करना वास्तव में सराहनीय है। गौ सेवा ही सच्ची सेवा है और उनका यह कार्य पूरे समाज और युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।अधिवेशन का मुख्य मंत्र सेवा, संस्कार, स्वावलंबन रहा, जिसको अमर लालवानी जी अपने जीवन में चरितार्थ कर रहे हैं। इस अवसर पर दल्लीराजहरा से महावीर चोपड़ा, रंजीत वर्मा, सोहम गुप्ता, अमन शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस सम्मान से दल्लीराजहरा नगर में हर्ष व्याप्त है और नगरवासियों ने उन्हें बधाई दी है।

आईटीआई में प्रवेश के लिए 5 सितंबर तकआवेदन

दल्लीराजहरा,4 सितंबर। संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग छत्तीसगढ़ के आदेशानुसार राज्य के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश हेतु रिक्त सीटों के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 3 सितंबर 2026 से 5 सितंबर 2026 रात्रि 11ऋ59 तक आमंत्रित किए जा रहे हैं। इच्छुक अभ्यर्थी ष्द्दद्वल्द्ध.ड्ढस्र्वद्वह्यह्यद्बश्ठ्ठ.ठ्ठद्ब.द्बठ्ठ पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी उक्त वेबसाइट पर अवलोकन कर निर्देशों का भली भांति अध्ययन कर लें। किसी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए अभ्यर्थी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दल्ली राजहरा से अथवा उपरोक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। पूर्व के आवेदकों को अष्टम चरण में काउंसलिंग में भाग लेने हेतु पुनः विकल्प का चयन करना अनिवार्य होगा। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दल्ली राजहरा में कोपा (एनसीवीटी) के लिए 7, व्यवसाय वेल्डर(एससीवीटी) के लिए 6 सीट रिक्त है। इच्छुक अभ्यर्थी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दल्ली राजहरा का चयन कर सकते हैं। विभागीय वेबसाइट पर 3 सितंबर 2026 से 5 सितंबर 2026 तक आवेदन करने के पश्चात 6 सितंबर को ह्द्बष्ट द्वारा मेरिट चयन सूची जारी की जाएगी। जिसका अवलोकन अभ्यर्थी अपने लॉगिन आईडी पर लॉगिन करके अपने अलॉटमेंट संस्था को देख सकते हैं। दिनांक 7 सितंबर को केवल एक दिन का प्रवेश कार्य चालू रहेगा। उक्त दिवस में चयनित अभ्यर्थी अपने साथ 10वीं, 12वीं , जाति प्रमाण पत्र,निवासी प्रमाण पत्र,आधार, स्थानांतरण प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज का मुल कापी एवं एक सेट फोटोकॉपी तथा पासपोर्ट साइज का एक फोटो ले करके अपने चयनित स्थान में प्रवेश हेतु पहुंच सकते हैं। उक्त जानकारी प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दल्ली राजहरा ने दी।

जिले में 916.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

रायगढ़, 4 सितम्बर। रायगढ़ जिले में 3 सितम्बर तक 916.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में जिले में 3.5 मिली मीटर औसत वर्षा हुई है। 1 जून 2026 से अब तक जिले के रायगढ़ तहसील में 1082.5 मिली मीटर, पुसौर में 888.5, खरसिया में 745.7, घरघोड़ा में 709.8, तमनार में 1240.1, लैलूंगा में 784.1, मुकडेगा में 816.9, धरमजयगढ़ में 593.5, छाल में 1088.4 एवं कापू में 1217.9 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

कोहका कॉलेज में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 4 सितंबर। तिल्दा-नेवरा स्थित कोहका कॉलेज में प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के स्वागत के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस दौरान महाविद्यालय परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा रहे। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा, अनिल अग्रवाल, राम पंजवानी, सौरभ जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सपने देखिए, उन्हें पूरा करने के लिए वर्मा ने प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हर विद्यार्थी को जीवन में एक बड़ा सपना जरूर देखना चाहिए। जो लोग सपने देखते हैं, उन्हीं के सपने पूरे होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि केवल सपना देखना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे पूरा करने के लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। मंत्री वर्मा ने कहा कि कॉलेज का प्रथम वर्ष विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है। यही समय अपने लक्ष्य को निर्धारित करने और भविष्य की दिशा तय करने का है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार, सकारात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारियों को भी अपनाने का आह्वान किया।

शिक्षा के साथ व्यक्तित्व विकास पर जोर: कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महाविद्यालयीन जीवन विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाओं का द्वार खोलता है। इस दौरान विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अपनी प्रतिभा और व्यक्तित्व को निखारने का अवसर मिलता है। विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन करने, शिक्षकों का मार्गदर्शन लेने और अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह समर्पित रहने की बात कही गई। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा सहित अन्य अतिथियों ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अतिथियों ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल देश और समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों में दिखा उत्साह: स्वागत समारोह के दौरान प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यार्थियों ने अतिथियों के साथ अपने अनुभव साझा किए तथा महाविद्यालय में नए सफर को लेकर अपनी उम्मीदें व्यक्त कीं। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने भी विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों और महाविद्यालय के अनुशासन से अवगत कराया।

मेहनत कीजिए : टंकराम वर्मा: कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री टंकराम

एक नजर

विवेक गर्ग को मिली एफएडीए स्टेट चेयरमैन की जिम्मेदारी

रायपुर 4 सितंबर। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (एफएडीए) की 62वीं एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) का आयोजन होटल ले मेरिडियन, नई दिल्ली में किया गया। जिसमें स्वस्तिक सेल्स एंटरप्राइजेज (यामाहा) के संचालक श्री विवेक गर्ग को फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (एफएडीए) का स्टेट चेयरमैन निर्वाचित किया गया, जिस पर रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (राडा) की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। राडा ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री गर्ग अपने अनुभव, नेतृत्व क्षमता एवं सक्रिय कार्यशैली के माध्यम से प्रदेश के ऑटोमोबाइल डीलर्स के हितों को मजबूती से आगे बढ़ाते रहेंगे। श्री विवेक गर्ग को ऑटोमोबाइल व्यवसाय का 26 वर्षों से अधिक का अनुभव है। वे पूर्व में रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (राडा) के अध्यक्ष के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा चुके हैं। उनके कार्यकाल में एसोसिएशन के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहल की गई, जिनमें राडा ऑटो एक्सपो 2023 का सफल आयोजन प्रमुख रहा। उन्होंने ऑटोमोबाइल व्यवसायियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रभावी ढंग से सरकार के समक्ष उठाया तथा उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए।

कैलाश खेमानी को फाडा जनरल काउंसिल मेंबर बनाए गए

रायपुर 4 सितंबर। रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (राडा) के उपाध्यक्ष एवं सिटी होंडा, रायपुर के संचालक श्री कैलाश खेमानी जी को फाडा का जनरल काउंसिल मेंबर बनाया गया है। एफएडीए के जनरल काउंसिल में कुल 40 सदस्य होते हैं फाडा में छत्तीसगढ़ के फोर व्हीलर, कमर्शियल व्हीकल एवं ट्रेक्टर डीलर्स मिला कर कुल 257 सदस्य है और रायपुर में राडा के 97 सदस्य हैं जिनका प्रतिनिधित्व करने के लिए रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसियेशन ने श्री कैलाश खेमानी का नाम फाडा के जनरल काउंसिल मेंबर के लिए प्रस्ताव भेजा था। श्री कैलाश खेमानी रायपुर के प्रतिष्ठित होंडा टू व्हीलर व्यवसायी होने के साथ-साथ राडा के सक्रिय एवं समर्पित पदाधिकारी हैं। एसोसिएशन में बोर्ड सदस्य एवं उपाध्यक्ष के रूप में उन्होंने ऑटोमोबाइल व्यवसायियों के हितों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सक्रियता से कार्य किया है। उनके योगदान की सराहना रायपुर के ऑटोमोबाइल व्यवसायियों द्वारा लगातार की जाती रही है।

चिचोला पुलिस ने 4000 लीटर अवैध डीजल जब्त किया

राजनांदगांव 4 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मुखबिर से सूचना मिला कि युपी प्रतापगढ ढाबा(जुम्मन ढाबा) रामपुर(खातुटोला) पाटेकोहरा बेरियर के पास मे ढाबा संचालक द्वारा ग्राम नारायणगढ में देवनारायण साहू के किराये का मकान में अवैध रूप से डीजल का भंडारण कर अवैध रूप आने जाने वाले ट्रकों के ड्रायवरों को बेचकर अवैध धन लाभ अर्जित कर रहा है, और किराये का मकान में बाहर के शटर में ताला बंद करके रखा है। जिसका चॉबी जुम्मन खान के पास में है। सूचना पर श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदया राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के द्वारा चलाये जा रह अवैध कार्यो के रोकथान हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत अति0 पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव श्री कीर्तन राठौर व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी श्री केसरीनंदन नायक के दिशा-निर्देशन पर स्पेशल टीम डोगरगढ डिवीजन व पुलिस चौकी चिचोला के द्वारा उसके किराये के मकान रेड कार्यवाही किया जहॉ आरोपी द्वारा ताला लगाकर उसका चॉबी लेकर गया था। जिसे गवाहों के समक्ष पंचनामा तैयार कर ताला तोडा गया जहॉ किराये के मकान से प्लास्टिक के सिन्टेक्स एवं प्लास्टिक टैंक में 4000 लीटर किमती 412000 रूपये जप्त किया गया आरोपी का कृत्य अपराध सदर धारा आवश्यक वस्तु अधि0 1955 की धारा 3,7, धारा 303(2) बीएनएस 35(ख) बीएनएसएस का घटित पाये जानें से अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया एवं फरार आरोपी जुम्मन ढाबा पता तलाश किया जा रहा है।

कोहका-घुलघुल मार्ग जर्जर, छोटे पुल पर बढ़ा हादसे का खतरा

■ **सड़क की बदहाल स्थिति से राहगीर परेशान, बारिश में आवागमन हुआ मुश्किल**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 4 सितंबर। कोहका से घुलघुल जाने वाला मार्ग इन दिनों बदहाल स्थिति में पहुंच गया है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने के साथ मार्ग का एक छोटा पुल भी राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। बारिश के दौरान पुल और सड़क पर पानी जमा होने से स्थिति और गंभीर हो जाती है। इससे दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि मार्ग लंबे समय से मरम्मत की बाट जोह रहा है। सड़क पर बने गड्ढों के कारण वाहन चालकों को संभलकर गुजरना पड़ता है। रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। वहीं छोटे पुल की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है। पुल से गुजरते समय वाहन चालकों को सावधानी बरतनी पड़ती है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह मार्ग आसपास के गांवों को जोड़ने के साथ ही रोजाना आवागमन के लिए महत्वपूर्ण है। बड़ी संख्या में ग्रामीण इसी रास्ते से अपने कामकाज, बाजार और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आवाजाही करते हैं। सड़क की खराब स्थिति के कारण समय भी अधिक लग रहा है और वाहनों को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों से मार्ग का शीघ्र निरीक्षण कर सड़क की मरम्मत कराने तथा छोटे पुल की आवश्यक सुधार कार्य कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो किसी बड़ी दुर्घटना के घटित होने से इनकार नहीं किया जा सकता। राहगीरों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने की मांग की है।

जन्माष्टमी पर अग्रवाल आभूषण एंड संस में आकर्षक ज्वेलरी कलेक्शन, ग्राहकों के लिए वैलेट पार्किंग की सुविधा

तिल्दा-नेवरा 4 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर तिल्दा क्षेत्र के प्रतिष्ठित ज्वेलरी प्रतिष्ठान अग्रवाल आभूषण एंड संस (अग्रवाल एंड संस) ने अपने ग्राहकों के लिए विशेष तैयारियां की हैं। त्योहारों के सीजन को देखते हुए शोरूम में सोने, चांदी और हीरे के आभूषणों का आकर्षक कलेक्शन उपलब्ध कराया गया है। शुद्धता और विश्वास की पहचान के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले प्रतिष्ठान में ग्राहकों की पसंद और त्योहारों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न डिजाइनों के आभूषण उपलब्ध हैं। जन्माष्टमी के साथ आगामी त्योहारी सीजन में ग्राहक अपनी पसंद के अनुसार ज्वेलरी कलेक्शन का चयन कर सकते हैं।

ग्राहकों की सुविधा के लिए वैलेट पार्किंग: त्योहारों के दौरान बाजार में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए शोरूम प्रबंधन ने ग्राहकों की सुविधा और सुरक्षा के लिए वैलेट पार्किंग की विशेष व्यवस्था की है। इससे ग्राहकों को वाहन पार्क करने के लिए जगह तलाशने की परेशानी से राहत मिलेगी और वे सुविधाजनक तरीके से खरीदारी कर सकेंगे।

सातों दिन सुबह 9 से रात 8 बजे तक खुला रहेगा शोरूम: ग्राहकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए शोरूम सप्ताह के सातों दिन सुबह 9:00 बजे से रात 8:00 बजे तक खुला रहेगा। त्योहारों के दौरान ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार शोरूम पहुंचकर आभूषणों के विभिन्न कलेक्शन देख सकते हैं।

कलेक्टर ने रवेली-तोरणकट्टा एवं तोरणकट्टा-ठाकुरटोला मार्ग का किया निरीक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 4 सितंबर। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम तोरणकट्टा के विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया और जनसमस्याओं को जाना। उन्होंने रवेली-तोरणकट्टा एवं तोरणकट्टा-ठाकुरटोला मार्ग का निरीक्षण किया और सड़क की खराब स्थिति को देखते हुए तत्काल बजरी एवं गिट्टी डालकर आवश्यक मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए। साथ ही वर्षा ऋतु के बाद सड़क के स्थायी सुधार के लिए शासन को भेजे गए बजट प्रस्ताव पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता को दिए। कलेक्टर ने ग्राम तोरणकट्टा के विद्यालय के सामने स्थित सड़क के कांक्रीटीकरण की मांग पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं क्षेत्र में रेत के अवैध परिवहन की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अवैध रेत परिवहन के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश खनिज अधिकारी एवं तहसीलदार को दिए। कलेक्टर ने ग्राम तोरणकट्टा में आयोजित सूर्य सभा में ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर कनेक्शन स्थापित कराने से होने वाले लाभों की जानकारी दी तथा अधिक से अधिक ग्रामीणों को योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने 140 हितग्राहियों को बांटे 21 लाख रुपये की सहायता राशि के चेक

रायपुर 4 सितंबर। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं रायपुर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने हमेशा की तरह अपने जनसरोकार और संवेदनशील नेतृत्व का परिचय देते हुए जरूरतमंदों की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाने और छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने के संकल्प के साथ सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने गुरुवार को 140 हितग्राहियों को संस्थागत अनुदान के तहत लगभग 21 लाख रुपये की सहायता राशि के चेक वितरित किए। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए व्यक्तिगत हितग्राहियों के साथ ही रामायण मंडली, भजन मंडली एवं जसगीत मंडलियों से जुड़े संस्थान और समूह भी शामिल हैं। इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, ÷जनता की सेवा ही मेरा सर्वोपरि धर्म है। बच्चों का सुनहरा भविष्य, बीमारों का बेहतर उपचार और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण देने के लिए यह उनका प्रयास है। वितरित की गई राशि में गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के उपचार, मेधावी एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा और ग्रामीण अंचलों में सांस्कृतिक चेतना जगाने वाली संस्थाओं को प्राथमिकता दी गई।

लोक संस्कृति और भक्ति परंपरा को नया संबल त्न छत्तीसगढ़ की माटी, लोक कला और आस्था को सदैव शीर्ष पर रखने वाले सांसद अग्रवाल ने लोक संगीत और भक्ति परंपरा को जीवित रखने वाली संस्थाओं को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया। चेक वितरण में क्षेत्र की प्रमुख रामायण मंडलियां, भजन मंडलियां, जसगीत मंडलियां भी शामिल रहीं।

सांसद ने कहा कि ये मंडलियां केवल भजन-कीर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक समरसता और सनातन संस्कारों की रीढ़ हैं। इन्हें संबल प्रदान करना पूरे समाज को संस्कारवान बनाने का कार्य है। कार्यक्रम के दौरान सहायता पाने वाले हितग्राहियों और मंडली के प्रतिनिधियों ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी क्षेत्र में किसी को शिक्षा, स्वास्थ्य या सामाजिक कार्य के लिए आवश्यकता होती है, बृजमोहन जी हमेशा एक अभिभावक की तरह ढाल बनकर खड़े रहते हैं।

राजनांदगांव जिले में अब तक 5217.5 मिमी वर्षा दर्ज

राजनांदगांव 4 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राजनांदगांव जिले में इस वर्ष चालू मानसून वर्ष में 1 जून 2026 से अब तक जिले के सभी 7 तहसीलों में 5217.5 मिमी बारिश एवं औसत 91.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है। भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी अनुसार डोंगरगढ़ तहसील में 777.6 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 789.5 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 913.9 मिमी, घुमका तहसील में 502 मिमी, छुरिया तहसील में 690.4 मिमी, कुमरदा तहसील में 866.2 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 677.9 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

अवैध शराब परिवहन करते चिचोला पुलिस ने 99 लीटर शराब जब्त की

राजनांदगांव 4 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदया राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के द्वारा चलाये जा रहे नशा उन्मुलन अभियान एवं अवैध शराब के रोकथान हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत अति0 पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव श्री कीर्तन राठौर व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी श्री केसरीनंदन नायक के दिशा.निर्देशन पर सायबर टीम राजनांदगांव एवं पुलिस चौकी प्रभारी चिचोला के द्वारा दिनांक 02.09.2026 को मुखबीर से सूचना मिला कि एक सफेद स्वीफ्ट वाहन में अवैध रूप से शराब बिक्री हेतु बागनदी की ओर से चिचोला की ओर आ रही है।

नाम परिवर्तन

मैं लक्ष्मैया मददेड़ (LAXMAIYA MADDED) पिता एंकैया मददेड ग्राम चेरकंठी जाति तेलंगा तहसील गंगालूर जिला-बीजापुर नाम एतदद्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करता हूँ। एतदद्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ।

मैं ग्राम - चेरकंठी जाति - तेलंगा तहसील जिला बीजापुर का स्थायी निवासी हूँ।

मेरी आधार नं. 785312288025 में नाम लछ्मैया मददे (LACHMEYA MADDE) अंकित है। जो गलत है नया नाम उपनाम लक्ष्मैया मददेड़ (LAXMAIYA MADDED) करवाना चाहता हूँ। जो मेरे भारत निर्वाचन आयोग द्वारा परिचय पत्र क्रमांक IFK1931708 में दर्ज है।

यह कि मेरे आधार नं. 785312288025 मे अंकित नाम उपनाम लछ्मैया मददे (LACHMEYA MADDE) के स्थान पर सही उपनाम लक्ष्मैया मददेड़ (LAXMAIYA MADDED) संशोधन कराना चाहता है ।

समस्त व्यक्तियों को अभिव्यक्त रूप से प्राधिकृत करता हूँ कि तथा उनसे निवेदन करता हूँ कि वे इसके पश्चात समस्त समयो पर मुझे मेरे आधार नं 785312288025 में अंकित नाम लछ्मैया मदने (LACHMEYA MADDE) के स्थान पर लक्ष्मैया मददेड़ (LAXMAIYA MADDED) संशोधन करें। तथा अंगीकृत नाम लक्ष्मैया मददेड़ (LAXMAIYA MADDED) से इस पर कर दिये है और तारीख 07 माह अगस्त सन् 2026 को अपनी मुद्रा लगा दी है।

उपरीलिखित मेरे मेरी आधार नं. 785312288025 में अंकित नाम जिसे पूर्व में नाम लछ्मैया मददे (LACHMEYA MADDE कहा जाता था सुधारकर नया नाम (LACHMEYA MADDE) लक्ष्मैया मददेड़ (LAXMAIYA MADDED) उपस्थिति में हस्ताक्षर किये गये मुद्रा अंकित किया गया व तथा परिदत्त किया गया।

आवेदक
लक्ष्मैया मददेड़

शपथ पत्र

मैं विमल कुमार यालम (VIMAL KUMAR YALAM) पित्ता सुधाकर यालम (SUDHAKAR YAKAM) उम्र 20 वर्ष पता ग्राम - पेठाबोगड़ा तहसील - भोपालपटनम जिला- बीजापुर एतदद्वारा में पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ।

मैं पेटाबोगड़ा तहसील - भोपालपटनम जिला - बीजापुर का स्थायी निवासी हूँ। तथा मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है।

मेरे आधार नं. 426647830004 में नाम विमल यालम (VIMAL YALAM) तथा जन्मतिथि 08/07/2005 (आठ जुलाई दो हजार पाँच) जो त्रुटि पूर्ण है।

मैं पुराना नाम विमल यालम (VIMAL YALAM) के स्थान पर विमल कुमार यालम (VIMAL KUMAR YALAM) तथा जन्मतिथि 08/07/2005 (आठ जुलाई दो हजार पाँच) के स्थान पर सही जन्मतिथि 11/07/2007 (ग्यारह जुलाई दो हजार सात) संशोधन कराना चाहता हूँ। पुराना नाम /जन्मतिथि से न्यायलय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण राशि शेष हैं।

मैं अपना नाम जन्मतिथि बदलरकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूँ तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूँगा ।

मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ तथा सक्षम प्राणिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

विमल
शपथकर्ता के हस्ताक्षर

शपथ पत्र

मैं आकाश लिंगम (AKASH LINGAM) पिता राममूर्ति लिंगम (RAMMURTI LINGAM) उम्र 19 वर्ष पता ग्राम - गंगारम तहसील - भोपालपटनम जिला बीजापुर एतदद्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करता हूं तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ।

मैं गंगारम तहसील - भोपालपटनम जिला - बीजापुर का स्थायी निवासी हूँ। तथा मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है।

मेरे आधार नं. 249042325767 में नाम लिंगम आकाश कुमार (AKASH KUMAR LINGAM) तथा जन्मतिथि 01/01/2011 (एक जनवरी दो हजार ग्यारह) अंकित है जो त्रुटि पूर्ण है।

मैं पुराना नाम लिंगम आकाश कुमार (AKASH KUMAR LINGAM) के स्थान पर आकाश लिंगम (AKASH LINGAM) तथा जन्मतिथि 01/01/2011 (एक जनवरी दो हजार ग्यारह के स्थान पर सही जन्मतिथि 04/07/2007 (चार जुलाई दो हजार सात) संशोधन कराना चाहता हूँ। पुराना नाम/जन्मतिथि से न्यायलय में कोई भी प्रकरण लंबित नही है और न ही किसी बैंक में ऋण राशि शेष हैं।

मैं अपना नाम जन्मतिथि बदलरकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूँ तो उसके लिए मै पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूँगा ।

मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ तथा सक्षम प्राणिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

आकाश
शपथकर्ता के हस्ताक्षर

'गुरु वंदन' ग्रैंड फिनाले में 30 प्रस्तुतियों ने बांधा समां, नन्हे कलाकारों से लेकर शिक्षकों तक ने किया कला का प्रदर्शन

रायपुर 4 सितंबर। शहीद स्मारक भवन, जयस्तंभ चौक। मंच सजा था।रोशनी जगमगा रही थी और जैसे ही सुरों ने आकार लिया, पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। सितंबर माह को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को समर्पित करते हुए आयोजित 'गुरु वंदन' तिरंगा फेस्ट फेस्टिवल के ग्रैंड फिनाले में कला, संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा और देशभक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर एवं जिला प्रशासन रायपुर के मार्गदर्शन में अभिनव प्रयास के अंतर्गत आयोजित विशेष कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत, कथक, भरतनाट्यम, नृत्य, गीत, देशभक्ति गीत एवं वर्चुअल एयर प्रोग्राम सहित करीब 30 प्रस्तुतियां मंच पर प्रस्तुत की गईं। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में डॉ. गौरव कुमार सिंह, कलेक्टर रायपुर; श्री संबित मिश्रा, आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर; श्री युगल किशोर उर्वशा, आयुक्त , नगर पालिक निगम बिरगांव; श्री नवीन ठाकुर, अपर कलेक्टर; श्री कीर्तिमान सिंह राठौर, अपर कलेक्टर; तथा श्री अमर गिदवानी, अध्यक्ष, संस्कृति विभाग , रायपुर नगर पालिक निगम सहित अन्य गणमान्य अतिथिगण की मंच पर उपस्थिति रही । रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने मंच पर तिरंगा शक्ति फेस्ट के आयोजन में अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले नन्हे, युवा, अनुभवी कलाकारों सहित कला केन्द्र रायपुर, नगर निगम रायपुर और स्कूल शिक्षा विभाग के सफल कार्यक्रम प्रबंधन में योगदान देने वाले शिक्षक- शिक्षिकाओं, अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रमाणपत्र प्रदत्त कर उन्हें सम्मानित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया. जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने सभी नागरिकों से विनम्र अपील की कि वे तिरंगा शक्ति फेस्ट के आयोजनों में अधिक से अधिक संख्या में आकर कला प्रतिभा का मंच पर प्रदर्शन करने वाले सभी कलाकारों का उत्साहवर्धन करें. उत्साहवर्धन किये जाने से कलाकारों का मनोबल बढ़ता है और उनकी कला प्रतिभा में और अधिक निखार आता है।

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202609092200008

विषयः- ब-121 सन् 2025-2026

मामले की श्रेणी :- राजस्व

भंडारपुर प.ह.न. 00030 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार- शिवेंद्र कुमार चन्द्रवंशी,
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व सधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक शिवेंद्र कुमार चन्द्रवंशी आ. कीर्तन लाल चन्द्रवंशी जाति कंवर निवासी भण्डारपुर तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्री खुशबु चन्द्रवंशी पिता शिवेंद्र कुमार चन्द्रवंशी का जन्म दिनांक 13/03/2010 को स्थान भण्डारपुर में हुआ है, के नाम पर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व दावा हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 18/09/2026 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/09/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार
डोंगरगढ़

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील बीजापुर जिला- बीजापुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.
बी-121/2025-2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती नीला नायडू पति स्व.आनंद नायडू, जाति कुन्बी, निवासी बीजापुर, तहसील व जिला बीजापुर ने इस न्यायालय में उनके पुत्र अनमंतु नायडू का जन्म दिनांक 24/11/2006 के विलम्बित जन्म पंजीयन हेतु आवेदन मय शपथ पत्र, तलवाना, चालान एवं अनुपलब्धता प्रमाण, अंकसूची, आधार कार्ड सहित पेश किया गया है तत्संबंध में मामला इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति / संस्था / समिति को कोई दावा/आपत्ति/आक्षेप हो तो स्वयं अथवा अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 10/09/2026 के पूर्व इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 25/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से जारी किया गया ।

मुहर
तहसीलदार एवं कार्यपालिक
दण्डाधिकारी बीजापुर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील बीजापुर जिला- बीजापुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.
बी-121/2025-2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती नीला नायडू पति स्व.आनंद नायडू, जाति कुन्बी, निवासी बीजापुर, तहसील व जिला बीजापुर ने इस न्यायालय में उनके पुत्र प्रेम नायडू का जन्म दिनांक 01/01/2013 के विलम्बित जन्म पंजीयन हेतु आवेदन मय शपथ पत्र, तलवाना, चालान एवं अनुपलब्धता प्रमाण, अंकसूची, आधार कार्ड सहित पेश किया गया है तत्संबंध में मामला इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति / संस्था / समिति को कोई दावा/आपत्ति/आक्षेप हो तो स्वयं अथवा अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 10/09/2026 के पूर्व इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 25/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से जारी किया गया ।

मुहर
तहसीलदार एवं कार्यपालिक
दण्डाधिकारी बीजापुर

कार्यालय नगरपालिका परिषद् दन्तेवाड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

क्रमांक/981/तक/न.पा. परि./ 2026-27 — दन्तेवाड़ा, दिनांकः 02/09/2026

रूचि की अभिव्यक्ति(EOI) सूचना

कार्यालय नगरपालिका परिषद दन्तेवाड़ा क्षेत्रातंर्गत निर्मित आकांक्षीय शौचालय, सामुदायिक /सार्वजनिक शौचालयों के संचालन हेतु अपनी-अपनी रूचि की अभिव्यक्ति सील बंद लिफाफे /पंजीकृत डाक के माध्यम से कार्यालय नगर पालिका परिषद दन्तेवाड़ा के राजस्व शाखा में दिनांक 17.09.2026 को अपरान्ह 3.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है, जोकि रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) प्रस्तुतकर्ता / प्रतिनिधि के साथ राशि रूपये 10000.00 (दस हजार रूपये मात्र) का एफ.डी.आर./डी.डी. जो कि मुख्य नगर पालिका परिषद दन्तेवाड़ा के पक्ष में देय होगा संलग्न करना होगा। प्राप्त रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) को दिनांक 17.09.2026 को दोपहर 5.00 बजे खोला जावेगा।

अतः उक्त रूचि की अभिव्यक्ति की विस्तृत जानकारी कार्यालय नगरपालिका परिषद दन्तेवाड़ा के राजस्व शाखा से प्राप्त कर सकते हैं। रूचि की अभिव्यक्ति का फार्म कार्यालय नगर पालिका परिषद् दंतेवाड़ा से प्राप्त किया जा सकता है और वही फार्म मान्य होगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड-सुकमा, छ.ग. (जिला, जल एवं स्वच्छता मिशन, जिला- सुकमा)

"ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना"

नि. क्र. 14, 15, 16, 17, 18, 19 एवं 20/नि.प्र./ जे जे एम / डी.डब्ल्यू.एस.एम./लो.स्वा.यां.ख./सुकमा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से जल-जीवन मिशन के तहत रेट्रोफिटिंग एवं एकल ग्राम नल जल प्रदाय योजनांतर्गत निर्धारित शेडयूल अनुसार पाईपलाईन विस्तार, उच्च स्तरीय जलटंकी निर्माण, घरेलू नल कनेक्शन प्रदाय आदि कार्यो हेतु प्रपत्र ''ए'' में ऑनलाईन Online निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स.क्र.	निविदा क्रं./ सिस्टम क्रमांक	लागत् (लाख में)	ग्राम/विकासखण्ड / रिमार्क
1	14/193759	23.60	आरगट्टा / कोण्टा / प्रथम निविदा
2	15/198535	21.42	बड़ेगांगुलावा / कोण्टा / प्रथम निविदा
3	16/198536	9.88	गुमोड़ी / कोण्टा / प्रथम निविदा
4	17/198537	14.58	मुर्रेपाल / छिन्दगढ़ / प्रथम निविदा (रेट्रोफिटिंग योजना)
5	18/198538	10.69	पोरोगुमोड़ी / कोण्टा / प्रथम निविदा
6	19/198539	73.96	सामसट्टी -2/ कोण्टा / प्रथम निविदा
7	20/198540	90.78	सोनाकुकानार / सुकमा / प्रथम निविदा (रेट्रोफिटिंग योजना)

नोट :- उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, विस्तृत निविदा, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in पर दर्शित एवं डाउनलोड की जासकती है। निविदा आमंत्रण की अंतिम तिथि 15.09.2026 तक है।

जी- 262703093/9

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
सुकमा

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26